

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 14 अंक - 352 www.shreekanchanpath.com

मिलाई, बुधवार 4 अक्टूबर 2023

संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत-स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल

पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

चुनाव तारीखों का जल्द ऐलान करेगा निर्वाचन आयोग, पूरी हुई तैयारियां



नई दिल्ली (एजेंसी)। निर्वाचन आयोग गत 2 महीनों से 5 चुनावी राज्यों का दौरा कर रहा है। मुख्य चुनाव आयोग राजीव कुमार के नेतृत्व में 17 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल तैयारियों की निगरानी के लिए मंगलवार को तेलंगाना के हैदराबाद पहुंचा। 40 सदस्यों वाली मिजोरम विधानसभा का कार्यकाल दिसंबर में समाप्त हो रहा है, जबकि 90 सदस्यीय छत्तीसगढ़ विधानसभा और तीन अन्य राज्यों का कार्यकाल जनवरी में समाप्त हो रहा है। मध्य प्रदेश, राजस्थान और तेलंगाना में भी आने वाले दिनों में असेंबली इलेक्शन होंगे।

तय कार्यक्रम के मुताबिक, इलेक्शन कमीशन इस महीने इन राज्यों में चुनाव की तारीखों की घोषणा कर सकता है। अगस्त में, चुनाव आयोग के प्रतिनिधिमंडल ने मिजोरम और छत्तीसगढ़ का दौरा किया और सितंबर में मध्य प्रदेश और राजस्थान का दौरा किया। इस हफ्ते वे तेलंगाना में रहेंगे। चुनाव आयोग का लक्ष्य सभी पांच राज्यों में मतदान प्रतिशत में सुधार करना और सभी मतदान केंद्रों पर बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित करना है। मतदाताओं की अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए महिलाओं, युवाओं और दिव्यांगों को अधिक मतदान केंद्रों का प्रभारी बनाया जाएगा। प्रत्येक राज्य में कम से कम 50 फीसद मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिंग की सुविधा होगी। लोगों की भागीदारी में सुधार के लिए, आदर्श आचार संहिता उल्लंघनों की रिपोर्ट करने के लिए ईसी के ऐप का उपयोग किया जाएगा। साथ ही स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव के लिए सीमा पार भी कड़ी चौकसी बरती जाएगी। लोगों की मतदान में

अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए चुनाव आयोग राज्यों में विशेष आउटरीच अभियान भी चला रहा है।

जिन राज्यों में आने वाले दिनों में चुनाव होने हैं, वहां क्या है निर्वाचन आयोग की तैयारी? छत्तीसगढ़ से शुरूआत करें तो यहां 90 सदस्यीय विधानसभा में भूपेश बघेल की सरकार का कार्यकाल 3 जनवरी को समाप्त हो रहा है। 1.97 करोड़ मतदाताओं वाले राज्य में 24,109 मतदान केंद्र होंगे। प्रति स्टेशन औसतन 815 मतदाता हैं। सिर्फ 4,853 मतदान केंद्र शहरी इलाकों में हैं जबकि बाकी ग्रामीण इलाकों में हैं। राज्य में 4.43 लाख मतदाता ऐसे हैं, जो पहली बार अपने मताधिकार का उपयोग करेंगे। राज्य में लिंगानुपात 1003 है। 1.47 लाख दिव्यांगजनों, 80 वर्ष से अधिक आयु के 2.02 लाख लाख मतदाताओं और 100 वर्ष से अधिक आयु के 2.948 मतदाताओं के लिए घर पर मतदान की सुविधा प्रदान की जाएगी। यह सुनिश्चित करते हुए कि अंतिम मील में भी मतदान केंद्र हों, चुनाव आयोग 112 ऐसे स्टेशन स्थापित कर रहा है, जहां मोटरबल रोड नहीं हैं और यहां पैदल ही जाया जा सकेगा। कम से कम 105 चेक पोस्ट स्थापित किए जाएंगे, जिनमें 31 उत्पाद विभाग और 35 वन विभाग के शामिल हैं।

बात यदि मध्यप्रदेश की करें तो यहां की 230 सदस्यीय विधानसभा में शिवराज सिंह चौहान सरकार का कार्यकाल 6 जनवरी को समाप्त हो जाएगा। 5.52 करोड़ मतदाताओं वाले राज्य में 64,523 मतदान केंद्र होंगे। मध्य प्रदेश में लिंग अनुपात 936 है और प्रति मतदान केंद्र

पर औसत 843 मतदाता हैं। मध्य प्रदेश में 2.67 करोड़ महिला मतदाता हैं और राज्य भर में कम से कम 5,000 मतदान केंद्रों का प्रबंधन महिलाएं करेंगी। 4.85 लाख दिव्यांगजन मतदाताओं और 80 वर्ष से अधिक आयु के 7.12 लाख मतदाताओं और 100 वर्ष से अधिक आयु के लगभग 6,180 मतदाताओं के लिए घर पर मतदान की सुविधा प्रदान की जाएगी। राज्य में 18.86 लाख से अधिक मतदाता ऐसे हैं, जो पहली बार वोट डालेंगे। कम से कम 1,150 मतदान केंद्र युवाओं द्वारा संचालित जाएंगे। राजस्थान में कांग्रेस सरकार का कार्यकाल 14 जनवरी को समाप्त हो जाएगा। राज्य की कुल 200 सीटों में से 141 सामान्य हैं, जबकि 25 अनुसूचित जनजाति (एसटी) और 34 अनुसूचित जाति (एससी) श्रेणी की हैं। राज्य में 5.25 करोड़ मतदाता हैं, जिनमें 2.51 करोड़ महिलाएं और 604 ट्रांसजेंडर शामिल हैं।

राजस्थान में मतदाता लिंग अनुपात 920 है, और लगभग 22 लाख मतदाता पहली बार वोट डालेंगे। राज्य में 51,756 मतदान केंद्र होंगे और प्रत्येक पर औसतन 1,002 मतदाता होंगे। कुल मतदान केंद्रों में से 41,341 ग्रामीण क्षेत्रों में हैं। चुनाव आयोग यह सुनिश्चित कर रहा है कि 200 स्टेशनों का प्रबंधन दिव्यांगजनों द्वारा किया जाए, 1600 स्टेशनों का प्रबंधन युवाओं और महिलाओं द्वारा किया जाए। पिछली बार, कोई भी दिव्यांगजन प्रबंधित मतदान केंद्र नहीं थे और महिलाओं द्वारा संचालित मतदान केंद्र 250 थे। राज्य में 80 वर्ष से अधिक आयु के लगभग 12 लाख मतदाताओं, 100 वर्ष से अधिक आयु के लगभग 18,500 मतदाताओं और 5.61 लाख दिव्यांग मतदाताओं के लिए घर पर मतदान की सुविधा भी प्रदान की जाएगी। कड़ी निगरानी के लिए 350 से अधिक चेक पोस्ट स्थापित किये जायेंगे, जिनमें 251 पुलिस चेक पोस्ट भी शामिल हैं। ईसीआई राज्य में मतदान प्रतिशत बढ़ाने पर भी ध्यान केंद्रित करेगा। 2018 के चुनावों में, कुल मतदान 74.71 फीसद था, जिसमें महिलाओं ने 74.68 फीसद मतदान के साथ पुरुषों (73.83 फीसद) को पीछे छोड़ दिया था। हालांकि, कम से कम 95 विधानसभाओं और लगभग 25,000 मतदान केंद्रों पर महिला मतदाताओं का प्रतिशत पुरुषों की तुलना में कम था। ईसीआई का लक्ष्य समग्र मतदान को सुधारकर 75 फीसद तक पहुंचाना है।

बादल फटने से अचानक आई बाढ़ में सेना के 23 जवान लापता, तलाशी अभियान जारी

गुवाहाटी (एजेंसी)। उत्तरी सिक्किम में ल्होक झील के ऊपर अचानक बादल फटने से लाचेन घाटी में तीस्ता नदी में अचानक बाढ़ आ गई। घाटी में कुछ सैन्य प्रतिष्ठान प्रभावित हुए हैं और अधिक विवरण का इंतजार किया जा रहा है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, चुंगथांग बांध से पानी



छोड़े जाने के कारण नीचे की ओर 15-20 फीट की ऊंचाई तक जल स्तर अचानक बढ़ गया। इससे सिंगताम के पास बारदांग में खड़े सेना के वाहन प्रभावित हो गए हैं। 23 जवानों के लापता होने की सूचना है और कुछ वाहनों के कीचड़ में डूबे होने की खबर है। तलाशी अभियान जारी है।

रक्षा पीआरओ के मुताबिक, उत्तरी सिक्किम में ल्होक झील के ऊपर अचानक बादल फटने से लाचेन घाटी में तीस्ता नदी में अचानक बाढ़ आ गई। घाटी में कुछ सैन्य प्रतिष्ठान प्रभावित हुए हैं। अधिक जानकारी जुटाने के प्रयास जारी हैं। फ्लिहाल 23 कर्मियों के लापता होने की सूचना है और कुछ वाहनों के कीचड़ में डूबे होने की खबर है।

रक्षा पीआरओ के मुताबिक, चुंगथांग बांध से पानी छोड़े जाने के कारण नीचे की ओर 15-20 फीट की ऊंचाई तक जल स्तर अचानक बढ़ गया। इसके कारण सिंगताम के पास बारदांग में खड़े सेना के वाहन प्रभावित हुए।

इस बीच मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने सिंगताम में स्थिति का जायजा लिया। वह भाजपा नेता उथेन शेरिंग ग्यात्सो भूटिया ने कहा कि सिंगताम में कोई जानमाल का नुकसान नहीं हुआ है, लेकिन सार्वजनिक संपत्तियों को भारी क्षति हुई है। कुछ लोगों के लापता होने की भी जानकारी है। उन्हें ढूंढने की कोशिशें जारी हैं।

घरेलू विवाद के चलते पति ने पत्नी के सीने में चाकू से किए कई वार, खुद भी लगाई फांसी

भिलाई। जामुल थाना क्षेत्र में घरेलू विवाद के बाद पति ने पत्नी के सीने में चाकू से हमला कर दिया। आसपास के लोग उसे अस्पताल तो लेकर पहुंचे। लेकिन महिला को वहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी जैसे ही पति को लगी तो उसने भी पड़ोसी के घर जाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुट गई है।

जामुल थाना प्रभारी याकूब मेनन ने बताया कि आदिवासी मोहल्ले जामुल की रहने वाली रमली नेताम (35 वर्ष) की मौत की सूचना मिली थी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। जहां पति ने अपनी पत्नी की हत्या कर खुद फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। मृतक का नाम पति जीतू नेताम (40 साल) बताया जा रहा है पुलिस ने दोनों के शव को लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल सुपेला स्थित मर्चुरी में रखा गया है। पोस्टमॉर्टम के बाद उसका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

जानकारी के अनुसार, मृतक पति जीतू नेताम सड़क किनारे टेंट लगाकर आयुर्वेदिक दवा बेचता था। कुछ दिनों से वह दवा बेचने नहीं जा रहा था। इस बात को लेकर पति और पत्नी के बीच वाद-विवाद हो गया और गुस्से में आकर पति जीतू नेताम ने अपनी पत्नी रमली नेताम पर घर में रखे चाकू से हमला कर हत्या कर दी। इसके बाद खुद ने आत्महत्या कर ली।

रुख से हट रहा नकाब आहिस्ता-आहिस्ता

श्रीकंचनपथ

एक चुनाव तो यह कहकर जीता था कि कालाधन वापस आएगा। यह धन इतना होगा कि प्रत्येक नागरिक के खाते में लाखों रुपए आएंगे। अब आते हैं छत्तीसगढ़ के मसले पर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी छत्तीसगढ़ आए थे। कुछ नेताओं ने इस मौके पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। भाजपा के बड़े नेता धरमलाल कौशिक ने जहां कहा कि कांग्रेस छत्तीसगढ़ को अपराधमग्न बना रही है, वहीं पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह ने प्रधानमंत्री के दौरे के दौरान बस्तर बंद के आह्वान को लेकर कांग्रेस पर ओछी राजनीति करने का तंज कसा। यह आरोप भी लगाया कि जो लोग गौठान नहीं चला पा रहे, वो स्टील प्लांट वया चलाएंगे। उनका इशारा नगरनार स्टील प्लांट की तरफ था। प्रधानमंत्री मोदी इसीका लोकार्पण करने आए थे। स्वयं प्रधानमंत्री ने कहा कि इस कार्यक्रम मुख्यमंत्री भूपेश बघेल या उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव नहीं आए। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ से कांग्रेस की सरकार जा रही है। वो इतना डरे हुए हैं कि इस कार्यक्रम में आने के लिए समय नहीं निकाल पाए। दूसरा कारण उन्होंने यह रिनया कि आकट भ्रष्टाचारी मोदी से आंख नहीं मिला सकते। भूपेश ने भी दो बातें कहीं। पहली यह कि प्रधानमंत्री नगरनार का स्टील प्लांट निजी हाथों में न सौंपें। मिलेट्स, वनोपज खरीदी, वैल्यू एडिशन, रोजगार सृजन जैसे मुद्दों पर मुख्यमंत्री ने केन्द्र और उबल इजन सरकार पर तीखे व्यंग्य किये। साथ ही विकास कार्यों को लेकर भाजपा पर तंज कसते हुए यह कह दिया कि 'हे डबल इंजन! तुमसे न हो पाएगा।'

कांग्रेस और आम आदमी पार्टी पर भारतीय जनता पार्टी हमेशा से यह आरोप लगाती रही है कि वह सत्ता में बने रहने के लिए मुफ्त की रेवड़ियां बांटती है। इससे जनता की आदतें खराब हो रही है। बीपीएल परिवारों को मुफ्त का राशन दिये जाने को लेकर भी यही आरोप उद्योगजगत लगाता है। भवन निर्माण ठेकेदारों से लेकर मजदूरों के सहारे रिजक कमाने वाले तकरीबन सभी लोगों का कहना है कि बीपीएल परिवारों को मुफ्त राशन देने के कारण उन्हें मजदूर नहीं मिल रहे। वैसे इन लोगों से सवाल पूछा जा सकता है कि वे मजदूरों को समझते क्या हैं? मजदूरों को दिन भर खटने के बदले क्या देते हैं? क्या मजदूरी इतनी होती है कि वह परिवार को ढंग का खाना खिला सके? क्या मजदूरी इतनी होती है कि उनके बच्चे स्कूलों में पढ़ सकें, ढंग के कपड़े पहन सकें? क्या मजदूरों को इतना मिलता है कि घायल होने या बीमार पड़ने पर वह अपना इलाज करा सके। यदि इन सभी सवालों के जवाब ना में हैं तो मजदूरों की अनिच्छा को आलस्य नहीं कहना चाहिए। भाजपा सिद्धांततः आरक्षण और मुफ्त की रेवड़ियों के खिलाफ है। पर अब मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार लाडली बहनों को 1250 रुपए प्रतिमाह देगी। यह राशि आगे 3000 रुपए तक जाएगी। मुफ्त की ऐसी ही रेवड़ियों की घोषणा भाजपा की प्रत्येक राज्य सरकार कर रही है। वैसे भाजपा ने केन्द्र का



नहीं निकाल पाए। दूसरा कारण उन्होंने यह रिनया कि आकट भ्रष्टाचारी मोदी से आंख नहीं मिला सकते। भूपेश ने भी दो बातें कहीं। पहली यह कि प्रधानमंत्री नगरनार का स्टील प्लांट निजी हाथों में न सौंपें। मिलेट्स, वनोपज खरीदी, वैल्यू एडिशन, रोजगार सृजन जैसे मुद्दों पर मुख्यमंत्री ने केन्द्र और उबल इजन सरकार पर तीखे व्यंग्य किये। साथ ही विकास कार्यों को लेकर भाजपा पर तंज कसते हुए यह कह दिया कि 'हे डबल इंजन! तुमसे न हो पाएगा।'



हार्दिक अभिनंदन



मुख्य अतिथि

माननीय अध्यक्ष, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी
नेता प्रतिपक्ष, राज्य सभा

श्री मल्लिकार्जुन खरगे जी



भारोसेका सम्मेलन



4 अक्टूबर 2023 | कोड़ातराई, रायगढ़



छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी

संपादकीय

कनाडा से बढ़ती तल्खी

कनाडा के 41 राजनयिकों को एक हफ्ते में भारत छोड़ने का अल्टीमेटम देकर सरकार ने जस्टिन ट्रूडो सरकार को एक बार फिर साफ कर दिया है कि नई दिल्ली आतंकवाद के मामले में कोई नरम रवैया नहीं अपनाने जा रही। खबरों के मुताबिक, सरकार ने स्पष्ट कहा है कि यदि ये लोग 10 अक्तूबर के बाद भी भारत में रहे, तो उन्हें जो राजनयिक रियायतें मिल रही हैं, वे वापस ले ली जाएंगी। निस्संदेह, यह बेहद सख्त रुख है और ट्रूडो सरकार को इसे गंभीरता से लेना चाहिए। कनाडा में भारतीय मूल के लोगों की बड़ी तादाद को देखते हुए पूर्व में उसे कई तरह की छूट दी गई थीं, जिनमें से एक मान्य संख्या से अधिक राजनयिकों की नियुक्ति भी थी, लेकिन जब भारत-विरोधी तत्वों की हिमायत में ट्रूडो खुद खुलकर खड़े हैं, तब उन्हें नई दिल्ली से कूटनीतिक उदारता की अपेक्षा भी नहीं करनी चाहिए। भारत में इस वक्त 61 कनाडाई राजनयिक काम कर रहे हैं और नई दिल्ली पहले भी एक-दूसरे देश में राजनयिकों की संख्या के असंतुलन की तरफ ओटावा का ध्यान आकृष्ट कर चुका है। भारत-कनाडा द्विपक्षीय संबंध आज जिस मोड़

पर है, उसके लिए पूरी तरह से ट्रूडो सरकार जिम्मेदार है। भारत के खिलाफ गोलबंद हो रहे खालिस्तानी आतंकियों और कट्टरपंथियों पर लगाम कसना तो दूर, वह उनकी गतिविधियों को कथित अभिव्यक्ति की आजादी की आड़ में बढ़ावा देती रही। अब यह छिपी हुई बात नहीं है कि भारत सरकार लगातार सभी स्तरों पर इस बाबत चिंतन जारी रखी, मगर अपनी घरेलू राजनीति की बाध्दताओं के तहत कनाडा की मौजूदा सरकार इसकी लगातार अनदेखी करती रही है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ओटावा में भारतीय रायनयिकों के लिए हिंसा और धमकी का माहौल बताया था, लेकिन उसके बाद भी प्रधानमंत्री ट्रूडो का अड़ियल रुख कायम रहा और बगैर किसी ठोस सबूत के उन्होंने खालिस्तानी आतंकी हरदीप निज्जर की हत्या का आरोप भारतीय एजेंसियों पर मढ़ दिया, और ऐसा वह लगातार कर रहे हैं। भारत सभी देशों की संप्रभुता का पूरा सम्मान करता है, बल्कि कुछ पड़ोसी देशों की कुटिल हरकतों के बावजूद उसने हमेशा इस बात का ख्याल रखा है। निज्जर की हत्या में जब पहली बार ‘भारतीय एजेंटों’ का जिक्र किया गया, तभी भारत ने इसका स्पष्ट खंडन किया था कि हमारी ऐसी कोई नीति नहीं है। बावजूद इसके प्रधानमंत्री ट्रूडो का रुख भारत की वैश्विक छवि को न सिर्फ धूमिल करने वाला बना रहा, बल्कि एक तरह से भारत विरोधी तत्वों को उकसाने वाला साबित हुआ है। इसकी तस्दीक ब्रिटेन में भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दोराईस्वामी के साथ ग्लासगो में खालिस्तान समर्थकों की बदसलुकी से की जा सकती है। भारत ने उचित ही रिज्तेन सरकार से इस घटना पर अपनी नाराजगी जताई है और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। इसमें दोराय नहीं कि पश्चिम के एक खेमे को भारत की तरकी पच नहीं रही, मगर वे भी जानते हैं कि इसको अब आगे बढ़ने से रोका नहीं जा सकता, तो वे इसकी छवि पर खरोंच मारने की कोशिश कर रहे हैं। मगर ऐसा करते हुए न सिर्फवे आतंकवाद और कट्टरता के खिलाफ वैश्विक लड़ाई को कमजोर कर रहे, बल्कि खुद को बेपरदा भी कर रहे हैं। बेहतर होगा कि जस्टिन ट्रूडो घरेलू दलीय लाभ से ऊपर उठकर राष्ट्रीय हितों को महत्व दें, ताकि दोनों देशों के रिश्तों को और नीचे जाने से रोका जा सके। इसी में दोनों देशों की भलाई छिपी है।

मौजूदा सरकार इसकी लगातार अनदेखी करती रही है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ओटावा में भारतीय रायनयिकों के लिए हिंसा और धमकी का माहौल बताया था, लेकिन उसके बाद भी प्रधानमंत्री ट्रूडो का अड़ियल रुख कायम रहा और बगैर किसी ठोस सुबूत के उन्होंने खालिस्तानी आतंकी हरदीप निज्जर की हत्या का आरोप भारतीय एजेंसियों पर मढ़ दिया, और ऐसा वह लगातार कर रहे हैं। भारत सभी देशों की संप्रभुता का पूरा सम्मान करता है, बल्कि कुछ पड़ोसी देशों की कुटिल हरकतों के बावजूद उसने हमेशा इस बात का ख्याल रखा है। निज्जर की हत्या में जब पहली बार ‘भारतीय एजेंटों’ का जिक्र किया गया, तभी भारत ने इसका स्पष्ट खंडन किया था कि हमारी ऐसी कोई नीति नहीं है। बावजूद इसके प्रधानमंत्री ट्रूडो का रुख भारत की वैश्विक छवि को न सिर्फ धूमिल करने वाला बना रहा, बल्कि एक तरह से भारत विरोधी तत्वों को उकसाने वाला साबित हुआ है। इसकी तस्दीक ब्रिटेन में भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दोराईस्वामी के साथ ग्लासगो में खालिस्तान समर्थकों की बदसलुकी से की जा सकती है। भारत ने उचित ही रिज्तेन सरकार से इस घटना पर अपनी नाराजगी जताई है और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। इसमें दोराय नहीं कि पश्चिम के एक खेमे को भारत की तरकी पच नहीं रही, मगर वे भी जानते हैं कि इसको अब आगे बढ़ने से रोका नहीं जा सकता, तो वे इसकी छवि पर खरोंच मारने की कोशिश कर रहे हैं। मगर ऐसा करते हुए न सिर्फवे आतंकवाद और कट्टरता के खिलाफ वैश्विक लड़ाई को कमजोर कर रहे, बल्कि खुद को बेपरदा भी कर रहे हैं। बेहतर होगा कि जस्टिन ट्रूडो घरेलू दलीय लाभ से ऊपर उठकर राष्ट्रीय हितों को महत्व दें, ताकि दोनों देशों के रिश्तों को और नीचे जाने से रोका जा सके। इसी में दोनों देशों की भलाई छिपी है।

ऐसी देशभक्ति से बचें

कनाडा ने भारत पर गंभीर आरोप लगाया। भारत सरकार ने उसका उतना ही काररा जवाब दिया। हमें उम्मीद करनी चाहिए कि भारत सरकार बाकी कूटनीति और अंतरराष्ट्रीय संबंधों में अपने प्रभाव का इस्तेमाल करते हुए इस विवाद को शांत करने में सफल रहेंगे। आखिर कोई देश बाकी पूरी दुनिया को ठेंगा दिखाते हुए आगे नहीं बढ़ सकता। और जब गुजरे वर्षों में भारत सरकार ने पक्षिमी देशों के साथ अपने रिश्तों को खास प्राथमिकता दी हुई है, तब उन देशों को एक मुद्दे पर नाराज करना सही रास्ता नहीं हो सकता। खासकर उस समय तक तो बिल्कुल नहीं, जब भारत का दुनिया की दूसरी महाशक्ति चीन के साथ पहिले से ही मोर्चा खुला हुआ है। इसलिए भारत के जो लोग श्वेत भक्ति का अतिशय प्रदर्शन कनाडा के मामले में कर रहे हैं, उन्हें थोड़ा संयम बरतना चाहिए। उन्हें कम-से-कम अपनी सरकार की कूटनीतिक क्षमता पर भरोसा रखना चाहिए। यह सवाल जितना मीडिया में उग्रवादी बातें कर रहे कथित विशेषज्ञों पर लागू होती है, उतना ही उन उस्ताही लोगों पर जिन पर कनाडा की संसद, सेना मुख्यालय और अन्य सरकारी दफ्तरों पर साइबर हमला करने का आरोप लगा है। कनाडा सरकार ने अपने मीडिया को बताया कि इंडियन साइबर फोर्स नाम के एक ग्रुप ने इन हमलों की जिम्मेदारी ली है। अगर सचमुच ऐसा कोई समूह है और वह सचमुच भारतीयों ने बनाया हुआ है, तो उसे यह समझना चाहिए कि ऐसी गतिविधियां भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि को स्थायी नुकसान पहुंचा देंगी। क्या देश में कोई भी ऐसा है, जो भारत की साइबर अपराधियों के अंडे के रूप में छवि बनाना चाहता हो? भारत में टीवी चैनलों पर कहीं गई उग्रवादी बातों को दुनिया भर में सोशल मीडिया पर जिस तरह शेयर किया गया है, उससे पहले ही देश की छवि पर धब्बा लगा है। यह समझने की बात है कि इस तरह की बातों और साइबर हमले जैसे आरोप लगने से भारत की कूटनीति चुनौतियां और बढ़ जाएंगी। भारत का भला कनाडा के आरोप को झुठ साबित करने में है, ना कि ऐसा माहौल बनाने में जिससे दुनिया को उसके आरोप अधिक विश्वसनीय लगने लगे।

संगठित आवाज का जोर

क्या एनपीएस वापस लाने के वादे का गणित ठोस है? योजना इसलिए हटाई गई थी, क्योंकि तब समझा गया था कि नव-उदारवादी अर्थव्यवस्था के साथ वह मेल नहीं खाती। आखिर इस अर्थव्यवस्था के कारण समाज के विभिन्न तबकों को संखिडी से वंचित किया गया है। सरकारी कर्मचारी एक संगठित श्रमिक वर्ग का हिस्सा है। भारतीय समाज के आम जीवन स्तर की तुलना में देखें, तो यह तबका काफी बेहतर स्थिति में नजर आएगा। फिर उनके बारे में यह धारणा बनी हुई है कि चुनाव प्रशासन में उनकी खास भूमिका होती है, जो कई बार नतीजों को भी प्रभावित कर देती है। इसलिए उनसे जुड़ी मजदूरा सभी या कुछ राजनीतिक दलों को अपनी चुनावी पेंशन योजना इसलिए हटाई गई थी, क्योंकि तब समझा गया था कि नव-उदारवादी अर्थव्यवस्था के साथ वह मेल नहीं खाती। इस अर्थव्यवस्था के कारण समाज के विभिन्न तबकों को खिड्डी के जरिए मिली हुई अनेक सुविधाएं खत्म की गई हैं। चूंकि उनमें से ज्यादातर तबके संगठित नहीं हैं, इसलिए उनकी मांग में सरकारी कर्मचारियों जितना जोर नहीं है। जबकि यह बड़ा मुद्दा है कि आखिर सिर्फ सरकारी कर्मचारियों का भविष्य ही राज कोष से क्यों सुरक्षित होना चाहिए?

विचार

संविधान के लागू होने पर, भारत ने वोट डालने के लिए उसी उम्र को योग्य माना जो दुनिया भर में अपनाई जा चुकी थी। इससे 21 साल से ज्यादा उम्र वाले लगभग 17.3 करोड़ लोग वोट डालने के लिए योग्य पाए गए। जनगणना के आंकड़ों के आधार पर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र तय किए जाने थे, जो 1951 में हो पाया। अशिक्षित आबादी, चुनाव चिह्न डिज़ाइन, मतपत्र और मतदान पेटी, मतदान केंद्र आदि समस्या व चुनौती थी।

स्वस्थ व मजबूत लोकतंत्र के लिए मतदान आवश्यक

स्वस्थ व मजबूत लोकतंत्र के लिए मतदान आवश्यक पहला आम चुनाव में पहली बार 45.7 प्रतिशत मतदाता वोट डाले हर वोट देश के नवनिर्माण में महत्वपूर्ण



एलडी मानिकपुरी, सहायक जनसम्पर्क अधिकारी

देश की आजादी के बाद सबसे बड़ी क्रांति यह थी कि लोक सभा तथा राज्यों की विधान सभाओं के निर्वाचन के लिए सार्वजनिक वयस्क मताधिकार को अपनाया गया। घोर पिछड़ेपन, घोर दरिद्रता तथा घोर निरक्षरता वाले, नए-नए स्वाधीन हुए देश में हर नागरिक को जिसकी आयु 21 वर्ष से कम न हो (अब घटाकर 18 कर दी गई है) और जो किसी विधि के अधीन अनिवास, चित्तविकृति, अपराध या भ्रष्ट अवैध आचरण के आधार पर अन्यथा अयोग्य न हो, वोट का अधिकार देना संविधान निर्माताओं के लिए एक बहुत बड़ी आस्था और

जनसाधारण में विश्वास का काम था (अनुच्छेद 326)। अनुच्छेद 324 कहता है कि एक निर्वाचन आयोग होगा। वह संसद और प्रत्येक राज्य विधानमंडल के वास्ते तथा राष्ट्रपति एवं उपराष्ट्रपति के पदों के वास्ते सभी निर्वाचनों का अधीक्षण, निदेशन और नियंत्रण करेगा।

देश की आजादी के बाद जुलाई 1948 को ही भारतीय नेताओं ने चुनावी प्रक्रिया को तैयारियां शुरू कर दी थीं। हालांकि, तब-तक चुनाव कराने के लिए कोई कानून नहीं थे। डॉ. भीमराव रामजी अम्बेडकर के नेतृत्व में, ड्राफ्टिंग कमिटी (मसौदा समिति) ने कड़ी मेहनत कर संविधान का मसौदा तैयार किया था, जो 26 नवंबर, 1949 को पारित हुआ। हालांकि, इसे लागू 26 जनवरी, 1950 से किया गया। भारत को उस दिन चुनाव कराने के लिए नियम और उप-नियम मिले और देश आखिरकार ‘भारत गणराज्य’ बना। यह एक असाधारण सफर की महज शुरुआत थी। वैसे तो 15 अगस्त 1947 को भारत आजाद हो गया था लेकिन पहले चुनाव 1951 में हो पाए और बीच के वर्षों में भारत, किंग जॉर्ज टंक के अधीन संवैधानिक राजतंत्र था। साथ ही, लुई मार्टेबेयन इसके गवर्नर जनरल थे। यह जानना जरूरी है कि आजाद भारत के पहले आम चुनाव 25 अक्टूबर, 1951 और 21 फरवरी, 1952 के बीच हुआ था।

विभूति नारायण राय, साहित्यकार व पूर्व कुलपति

सदन में सुनाई गई कविता ठाकुर का कुआं पर जारी बहस में जातिगत गणना के आंकड़े भी आ कूदे हैं। यह गणना नई है, मगर हम दशकों से संसद में कविता या उसकी पंक्तियां सुनते-पढ़ते आए हैं। ये कविताएं भारत की विभिन्न भाषाओं से होती हैं। एक बहुभाषी समाज में यह स्वाभाविक भी है। यह भी स्वाभाविक है कि ज्यादातर यह सौभाग्य हिंदी और उर्दू में उसे लेकर खास तरह की उत्तेजना फैल गई। यह कविता थी हिंदी के महत्वपूर्ण दलित रचनाकार ओमप्रकाश वाल्मीकि की, और इसका शीर्षक है ‘ठाकुर का कुआं’। इस कविता का पाठ पूरे मन व नाटकीयता से किया राजद सांसद मनोज झा ने। वह वैसे भी अच्छे वक्ता हैं और इस पाठ के दौरान तो मानो सरस्वती उनकी जिह्वा पर ही बैठ गई थी। यहां यह उल्लेख और उच्चारण से भी जुड़ा होता है, जिसमें हमारे सांसद तो क्या, विश्वविद्यालयों के बाज प्रोफेसरों का भी हाथ तंग रहता है। वे दिन चले गए, जब मैथिली शरण गुप्त व रामधारी सिंह दिनकर सदृश कद-काठी के कवि सदन में हुआ करते थे या तारकेश्वरी सिन्हा जैसी किन्नर मंत्री, जो सही तलफूज (उच्चारण) के साथ हर मौके के लिए उपयुक्त शेरों-शायरी निकाले हाथिर रहती थीं। उनके मुह से शेर निकला नहीं कि वाह-वाह गूंजने लगता था। मुझे याद आया एक किस्सा, जब इलाहाबाद में फिराक गोरखपुरी ने अपने एक चाहने

विद्या महाबारे, प्रोफेसर, अर्थशास्त्र, जीएलआईएम

किसी अच्छी सेवा को एक टिप या बख्शीश देकर प्रोत्साहित करना सदियों पुराना चलन है। यह अब कोई आम मुद्दा नहीं रह गया है। भारत में सेवा शुल्क या सर्विस चार्ज पर विवाद के बीच दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा रेस्तरां को हाल ही में जारी किए गए एक निर्देश ने इस विषय को फिर से सुर्खियों में ला दिया है।

आखिर मामला क्या है? हम अपनी रोजमर्रा में ही स्वेच्छा से या किसी प्रोत्साहन पर अनेक सेवाओं के लिए जरूरत से ज्यादा भुगतान करते हैं। लंबे समय से चली आ रही परंपरा के अनुसार, कुछ कंपनियां कर्मचारियों को सीधे टिप देने का काम ग्राहकों पर छोड़ देती हैं। यहां सवाल है कि जब मूल विचार एक ही है, तब कंपनियां अलग-अलग तरीके क्यों अपनाती हैं? ग्राहकों को प्रेरित किया जाता है कि वे अच्छी सेवा के लिए ज्यादा भुगतान करें, कम-कुशल श्रमिकों को चूँकि कम वेतन मिलता है, तो ऐसे श्रमिकों को अतिरिक्त पैसा कमाने का मौका दें। यदि लोग एक ही कंपनी की किसी सेवा

वाले को सिर्फ इसलिए दौड़ा लिया था कि उसने उनके एक कमजोर शेर पर दाद दे दी थी। आज तो किसी मंत्री की बुरी से बुरी पंक्ति पर भी उनकी पार्टी की कतारों से डेस्क थपथपाने की आवाजें आने लगती हैं।

ऐसे कविता-विरोधी माहौल में यह देखकर आश्चर्य हुआ कि एक कविता ने न सिर्फसदन को हिला दिया, वरन देश भर में उसे लेकर खास तरह की उत्तेजना फैल गई। यह कविता थी हिंदी के महत्वपूर्ण दलित रचनाकार ओमप्रकाश वाल्मीकि की, और इसका शीर्षक है ‘ठाकुर का कुआं’। इस कविता का पाठ पूरे मन व नाटकीयता से किया राजद सांसद मनोज झा ने। वह वैसे भी अच्छे वक्ता हैं और इस पाठ के दौरान तो मानो सरस्वती उनकी जिह्वा पर ही बैठ गई थी। यहां यह उल्लेख करना अप्रासंगिक न होगा कि इसी नाम से लगभग सौ साल पहले हिंदी के कालजयी कथाकार मुंशी प्रेमचंद ने भी एक कहानी लिखी थी और उस पर देश के एक बड़े निर्देशन ने फिल्म भी बनाई थी। मुंशी प्रेमचंद और ओमप्रकाश वाल्मीकि की रचनाएं अलग-अलग विधाओं में जरूर हैं, पर उनके सरोकार और राजनीति कर्मोवेश एक जैसी हैं।

इन दोनों में एक पात्र ‘ठाकुर’ है, जिसको लेकर बखेड़ा खड़ा हो गया। कौन है यह ‘ठाकुर’? क्या यह भारतीय परिवेश, खासतौर से ग्रामीण समाज का



संविधान लागू होने के बाद चुनाव आयोग का गठन किया गया। चुनाव कराने की जिम्मेदारी भारतीय नौकरशाह, सुकुमार सेन को दी गई। इस तरह वे भारत के पहले मुख्य चुनाव आयुक्त बने। इसमें सबसे बड़ी चुनौती थी भारत की आबादी, जो उस समय करीब 36 करोड़ थी। दुनिया की आबादी का करीब 17 फीसदी हिस्सा मतदान करने वाला था। यह उस समय का सबसे बड़ा चुनाव था। चुनाव में करीब 1,874 उम्मीदवार और 53 राजनैतिक पार्टियां उतरी थीं, जिनमें 14 राष्ट्रीय पार्टियां थीं और इन दलों ने 489 सीटों पर चुनाव लड़े थे।

संविधान के लागू होने पर, भारत ने वोट डालने के लिए उसी उम्र को योग्य माना जो दुनिया भर में अपनाई जा चुकी थी। इससे 21 साल से ज्यादा उम्र वाले लगभग 17.3 करोड़ लोग वोट डालने के लिए योग्य पाए गए। जनगणना के पहले आम चुनाव 25 अक्टूबर, 1951 और 21 फरवरी, 1952 के बीच हुआ था।



वह वर्चस्ववादी तबका है, जिसने उत्पादन के सारे संसाधनों समेत मनुष्य के जीवन के लिए जरूरी पानी के स्रोत कुएं तक पर कब्जा कर रखा है या यह जाति प्रथा की सीढ़ियों के ऊपरी हिस्से में बैठे एक जाति विशेष है, जिसका एक हिस्सा शिक्षा और आधुनिकता के बावजूद अब भी यही यकीन करता है कि चूँकि उसका जन्म एक खास जाति में हुआ है, इसलिए वह उन लोगों से श्रेष्ठ है, जो उससे निचले पायदान वाली जातियों में पैदा हुए हैं। स्वाभाविक है कि प्रेमचंद और वाल्मीकि, दोनों का विरोध लोगों का हक मारने वाले ठाकुर से है, उससे नहीं, जिसका जन्म केवल घटनावश एक ठाकुर परिवार में हो गया है। जिन्होंने इस कविता-पाठ पर मनोज झा की जुबान खींच लेने की बात कही, पर उनके सरोकार और राजनीति कर्मोवेश एक जैसी हैं।

इन दोनों में एक पात्र ‘ठाकुर’ है, जिसको लेकर बखेड़ा खड़ा हो गया। कौन है यह ‘ठाकुर’? क्या यह भारतीय परिवेश, खासतौर से ग्रामीण समाज का का बार-बार उपयोग करते हैं, तो वहां टिप को सेवा गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उपाय के रूप में देखा जाता है। कभी-कभी ऐसा भी होता है कि हम सामाजिक मानदंडों या किसी सहानुभूति के चलते टिप दे देते हैं, भले ही सेवा अच्छी न मिली हो। दुनिया भर में पांच प्रतिशत से 25 प्रतिशत तक राशि बख्शीश के रूप में दी जाती है।

सेवा शुल्क को तो कुछ रेस्तरां हमारे बिल में आदतन जोड़ देते हैं, यह बख्शीश लेने का कौन-सा तरीका है? हम अपने किसी सेवक को नकद टिप देने के लिए स्वतंत्र हैं, लेकिन सेवा शुल्क से राजस्व पैदा होता है, जिस पर किसी कंपनी के प्रबंधन का नियंत्रण होता है। प्रबंधक यह तय करने की स्थिति में होते हैं कि सेवा शुल्क लेकर जुटाई गई राशि कर्मचारियों के बीच कैसे बांटी जानी है। इसके विपरीत, सीधी टिप के मामले में किसी फर्म के प्रबंधन को किसी भी पक्ष, कर्मचारी या

पाया। अशिक्षित आबादी, चुनाव चिह्न डिज़ाइन, मतपत्र और मतदान पेटी, मतदान केंद्र आदि समस्या व चुनौती थी। साथ ही यह पक्का करना था कि मतदान केंद्रों के बीच सही दूरी हो। मतदान अधिकारियों को नियुक्त कर प्रशिक्षण सहित अनेक परेशानियों और चुनौतियों का सामना भी करना पड़ा।

हालांकि इन चुनौतियों को पार करने में समय लगा। आखिर में जब चुनाव हुए, तो योग्य आबादी में से 45.7 प्रतिशत मतदाता, पहली बार वोट डालने के लिए अपने घरों से बाहर निकले। इस तरह भारत, दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र बना, जहां लोगों ने, लोगों के लिए एक सरकार चुनी। एक वोट या एक मतदान देश व प्रदेश के लिए क्या उपयोगी साबित होगी? मतदान का महत्व कितना है? और क्यों हैं? इस विषय पर अनेक पुस्तकें लिखे जा चुके हैं, लेकिन क्या देश व प्रदेश हित के लिए मतदान करना वास्तव में एक जरूरी है? ऐसे सामान्य प्रश्न में ही

दी गई इस दलील का भी कोई असर नहीं पड़ा कि उनके अंदर भी एक ठाकुर मौजूद है, जिसे मारने की जरूरत है।

दरअसल, यह ठाकुर तो हममें से ज्यादातर के अंदर पैदा हुआ है, जो संविधान के तमाम प्रावधानों, शैक्षणिक हस्तक्षेपों या आधुनिकता-बोध के बावजूद हमारे चेतन अवचेतन से झलकता रहता है। हमारी भाषा में ऐसे तमाम प्रयोग भरें हुए हैं, जिनसे हम रोजमर्रा की जिंदगी में दो-चार होते रहते हैं। प्रेमचंद के ठाकुर का कुआं में यह गांव का ठाकुर है, तो पंडित मोटराम शास्त्री के रूप में उनकी दूसरी कहानी में यही पात्र ब्राह्मण बनकर आता है। काम दोनों का एक ही है- कर्मकांड, भाग्यवाद और पुनर्जन्म के चक्रों में फंसाकर वंचित-शोषित जनता को उनकी लट् के लिए तैयार रखना। ओमप्रकाश वाल्मीकि की कविता में अपने सारे संसाधन गंवाने वाला दलित अपना जीवन उनकी आत्मकथा जूटन के नायक की तरह बिताता है।

इस कविता पर उदा विवाद भारतीय समाज व चुनावों में आज भी जातियों की प्रासंगिकता को रेखांकित करता है। दिलचस्प है, मनोज झा की जुबान खींच लेने की धमकी देने वाले पूर्व सांसद आनंद मोहन सिंह खुद भी कवि हैं और उनके एक से अधिक कविता संग्रह प्रकाशित हैं। वह दिग्दहाड़े हुई एक हत्या के मुकदमे में आजीवन कारावास की

गम्भीर उत्तर छुपा हुआ है। जिस तरह से फसलों के लिए पानी, पानी के लिए पेड़-पौधे-हरियाली, खेती लिए इंसान की जरूरत है और इंसान के लिए अनाज-पानी, आवास, शिक्षा, अस्पताल, सड़क, बिजली, रोजगार जैसी बुनियादी जरूरतों की आवश्यकता होती है। ऐसे में स्वस्थ व मजबूत लोकतंत्र के लिए प्रत्येक वोट महत्वपूर्ण है। निर्वाचन आयोग, राजनीतिक दलों व आम मतदाताओं की भूमिका, सक्रियता, संवेदनशीलता से भरे होते हैं। अलग-अलग वर्ग के मतदाताओं को कई बार भ्रम की स्थितियों का सामना करना पड़ता है। इस पर निर्वाचन आयोग लगातार सुधार व नियम-प्रक्रियाओं में संशोधन समय-समय पर करते हैं ताकि मतदाता आसानी से अपने मत या वोट के महत्व को बेहतर तरीके से समझ सके।

लोकतंत्र की सफ़ेता भी होगी जब लोग मतदान करेंगे। देश की प्रगति के लिए सबको मिलकर वोट देना चाहिए। मतदान सभी का संवैधानिक अधिकार है। इसका उपयोग सभी लोगों को स्वेच्छ के साथ करना चाहिए। हम खुशनसीबों में से है कि हमें सरकार चुनने का अधिकार मिला है। हमें इसकी सलाहना और कदम करनी चाहिए। यह भारतीय लोकतंत्र की खूबसूरती ही है कि कोई हवाई जहाज का मालिक हो या ठेला चलाने वाला आम नागरिक, सबको वोट देने का अधिकार है। सभी का मत बराबर है।

अतएव देश व प्रदेश के समुचित विकास, स्वस्थ व मजबूत लोकतंत्र के लिए हर मतदाता को मतदान करना आवश्यक है।

सजा भोग चुके हैं और अभी हाल में हुई उनकी रिहाई भी इस टिप्पणी की तरह ही विवादास्पद रही है।

इस पूरे विवाद में एक बात तो साबित हो ही गई है कि जाति अब भी भारतीय समाज का एक यथार्थ है। बहुत कुछ बदला है, पर अब भी बहुत कुछ नहीं बदला है। सड़कों से जुड़ चुके आधुनिक गांवों में न तो जातियों की पुरानी जकड़बंदी बची है और न ही उत्पादन के संसाधनों पर तथाकथित ऊंची जातियों का एकाधिकारी वर्चस्व। ‘इंडिया मार्क टू नल’ ने ठाकुर के कुएं की जरूरत ही खत्म कर दी है। ज्यादातर गांवों में तो ये कुएं पट भी गए हैं। हल और बैल की जगह ट्रैक्टरों ने ले ली है, पर अब भी पुराना ‘ठाकुर’ हमारे अंदर जिंदा है। अब भी हममें से बहुतों ने अपने भीतर के उस ‘ठाकुर’ को नहीं मारा है, जो किसी खास जाति में पैदा होने के चलते खुद को श्रेष्ठ समझता है।

बिहार में जारी जातिगत आंकड़ों और उन पर जारी तेज बहस से भी पता चलता है कि सारे दावों के बावजूद जातियां अब भी चुनावों में निर्णायक कारक हैं। तभी तो ‘ठाकुर’ शब्द से जुड़े प्रकरण में राजनीतिक दल या तो खामोश हैं या बहुत संभलकर प्रतिक्रिया दे रहे हैं। कुछ भी हो, किसी बहाने से ही सही, सदन में एक गंभीर कविता चर्चा में तो आई।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

बाजार में बख्शीश और सेवा शुल्क की उलझती पहली

का बार-बार उपयोग करते हैं, तो वहां टिप को सेवा गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उपाय के रूप में देखा जाता है। कभी-कभी ऐसा भी होता है कि हम सामाजिक मानदंडों या किसी सहानुभूति के चलते टिप दे देते हैं, भले ही सेवा अच्छी न मिली हो। दुनिया भर में पांच प्रतिशत से 25 प्रतिशत तक राशि बख्शीश के रूप में दी जाती है।

सेवा शुल्क को तो कुछ रेस्तरां हमारे बिल में आदतन जोड़ देते हैं, यह बख्शीश लेने का कौन-सा तरीका है? हम अपने किसी सेवक को नकद टिप देने के लिए स्वतंत्र हैं, लेकिन सेवा शुल्क से राजस्व पैदा होता है, जिस पर किसी कंपनी के प्रबंधन का नियंत्रण होता है। प्रबंधक यह तय करने की स्थिति में होते हैं कि सेवा शुल्क लेकर जुटाई गई राशि कर्मचारियों के बीच कैसे बांटी जानी है। इसके विपरीत, सीधी टिप के मामले में किसी फर्म के प्रबंधन को किसी भी पक्ष, कर्मचारी या



ग्राहक से पूछने का कोई अधिकार नहीं है। आम तौर पर, सेवा शुल्क से जुटाई गई राशि कंपनियों के कर्मचारियों के बीच साझा होती है, पर जब हम कोई टिप देते हैं, तो वह केवल उस व्यक्ति को मिलती है, जो हमारी सेवा करता है। हालांकि, सेवा शुल्क से ज्यादा कर्मचारियों को लाभ हो सकता है, फिर भी एक समस्या है। सबसे पहले, वास्तव में कोई नहीं जानता कि ग्राहकों से लिया गया सेवा शुल्क का

कितना हिस्सा कर्मचारियों को दिया जाता है। हाल के वर्षों में ऐसी खबरें आई हैं कि रेस्तरां मालिक पूरी रकम नहीं दे रहे हैं। अपने जवाब में आयकर विभाग ने स्पष्ट किया था कि कंपनियां श्रमिकों को वितरित नहीं किए गए सेवा शुल्क संग्रह पर आयकर चुकाने के लिए उत्तरदायी हैं। दूसरा, चूँकि सेवा शुल्क संग्रह को कई श्रमिकों में बांटा जाता है, इसलिए कई जगह उचित लाभार्थियों को कम राशि मिलती है।

तीसरा, सेवा शुल्क का प्रावधान कंपनियों को सुविधा देता है कि वह राशियां कमाई की गुंजाइश दिखाकर अपने कर्मचारियों को न्यूनतम वेतन पर रखती हैं। चूँकि वेतन में बढ़ोतरी नहीं करनी पड़ती है, अतः सेवा शुल्क भी कंपनियों को उत्पाद की कीमतें कम रखने में मदद करता है। इस तरह कंपनियां श्रमिकों को अपने साथ बनाए भी रखती हैं और अपने मुनाफे को भी बचाती हैं। किसी

रेस्तरां को बिल पेश करते समय अपने ग्राहकों को यह सूचित करना चाहिए कि सेवा शुल्क वैकल्पिक है। हालांकि, कई रेस्तरां या कंपनियां ऐसा नहीं करती हैं। कुछ लोग तो सेवा शुल्क का भुगतान करते हैं और कई बार अतिरिक्त टिप भी देते हैं। किए गए सेवा शुल्क संग्रह पर आयकर चुकाने के लिए उत्तरदायी हैं। दूसरा, चूँकि सेवा शुल्क संग्रह को कई श्रमिकों में बांटा जाता है, इसलिए कई जगह उचित लाभार्थियों को कम राशि मिलती है। तीसरा, सेवा शुल्क का प्रावधान कंपनियों को सुविधा देता है कि वह राशियां कमाई की गुंजाइश दिखाकर अपने कर्मचारियों को न्यूनतम वेतन पर रखती हैं। चूँकि वेतन में बढ़ोतरी नहीं करनी पड़ती है, अतः सेवा शुल्क भी कंपनियों को उत्पाद की कीमतें कम रखने में मदद करता है। इस तरह कंपनियां श्रमिकों को अपने साथ बनाए भी रखती हैं और अपने मुनाफे को भी बचाती हैं। किसी

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट,
दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9827806026,
7869620239

Sargam
Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair

DURG:-
Near Tarun Adlabs
Station Road, Durg (C.G.)
Durg, Ph. 2330588, 9826660688

RAIPUR:-
Near Manju Mamta
Reaustaurant, M.G. Road
Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

पहले बाद में

JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331

रंगोली बेगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रॉनिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

ADMISSION OPEN

12th CLASS

REGULAR STUDENT

GET CLASS 11th SYLLABUS CLASSES for FREE

APPLY NOW



COMMERCE GURU



www.commerceguru.in

commerceguru2011@gmail.com

35, Gaurav Path, Sundar Nagar, Bhiwai

+91 9644454810

+91 8103338634

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX ITR फाईल

बनवायें मात्र 500/- में

TDS, GST, TAX Expert सम्पर्क- शेखर गुप्ता

9300755544

onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

बुधवार, 4 अक्टूबर 2023

पेज-3

खास खबर

निगम प्रशासन ने 04 कर्मचारियों को दी स-सम्मान विदाई

भिलाई । 62 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके नगर पालिक निगम के 04 कर्मचारियों को ससम्मान विदाई दी गई। निगम प्रशासन की ओर से कर्मचारियों को स्मृति चिन्ह, शॉल और श्रीफल भेंट करते हुए सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों को अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना किए। इसके पूर्व सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों ने भिलाई निगम में सेवाकाल के दौरान कार्य एवं अनुभव को साझा करते हुए सभी को सामंजस्य बनाकर कार्य करने के लिए प्रेरित किए। राजस्व अधिकारी प्रीति सिंह ने कहा कि सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों ने निगम के हर कठिन परिस्थितियों में काम करते हुए कई उपलब्धियां हासिल किया है जिसके लिए उन्होंने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किए। 62 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके नगर पालिक निगम भिलाई के तीर्थ राम यादव कंगू राम यादव पम्प सहायक, सुदामा प्रसाद सोनी स्ख0 लोचन प्रसाद सोनी चौकीदार, पुरुषोत्तम चन्द्राकर स्ख0 मंगन लाल चन्द्राकर हेल्पर, इंदल आ0 भुनेश्वर सम्पई कामगार सहित 04 कर्मचारियों को सेवानिवृत्त होने पर विदाई दी गई। विदाई समारोह में निगम के बसंत देवांगन, संजय शर्मा, अजय शुक्ला, राजेश पालवे, सतीराम, मनीष चंद्राकर, हंसराज, अप्पा राव सहित अधिकारी कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

दिव्यांगजन राज्य स्तरीय पुरस्कार के लिए आवेदन 10 अक्टूबर तक आमंत्रित

दुर्ग। समाज कल्याण विभाग द्वारा प्रतिवर्ष अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस 3 दिसम्बर के अवसर पर दिव्यांगजन राज्य स्तरीय पुरस्कार प्रदाय किए जाते हैं। यह योजना उत्कृष्ट दिव्यांग कर्मचारियों, दिव्यांगजनों के लिए कार्य करने वाली स्वैच्छिक संस्थाओं, एवं नियोक्ताओं को पुरस्कृत करने के साथ ही सर्वश्रेष्ठ जिले का चयन करने से दिव्यांग व्यक्तियों के समग्र पुनर्वास हेतु समुदाय को प्रेरित करने का अवसर प्राप्त होता है। इस हेतु दुर्ग जिले के इच्छुक स्वैच्छिक संस्था जो दिव्यांगजनों के हित में कार्य कर रहे, दिव्यांग कर्मचारियों एवं नियोक्ताओं से दिव्यांगजन राज्य स्तरीय पुरस्कार हेतु अपना आवेदन उप संचालक समाज कल्याण विभाग दुर्ग में 10 अक्टूबर तक जमा करना होगा। अधिक जानकारी के लिए उप संचालक समाज कल्याण विभाग दुर्ग से संपर्क किया जा सकता है।

अखिल भारतीय कुशवाहा महासभा राष्ट्रीय कार्यकारणी की बैठक सम्पन्न

रायपुर। अखिल भारतीय कुशवाहा महासभा की 54वीं राष्ट्रीय कार्यकारणी समिति की 11वीं बैठक रायपुर स्थित होटल सेलिब्रेशन में विगत 1 अक्टूबर 2023 को आयोजित की गई, जिसमें महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुशवाहा राकेश महतो, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष लोकमान कुशवाहा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रवीण सिंह कुशवाहा द्वारा राष्ट्रीय ध्वज सहित समाज के ध्वज का ध्वजारोहण करते हुए भगवान लवकुश, गौतम बुद्ध, सम्राट अशोक मौर्या, महात्मा ज्योतिबा सावित्री बाई फुले जी को पुष्प अर्पित कर बैठक का शुभारंभ किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय कुशवाहा राकेश महतो द्वारा राष्ट्रीय एवं प्रदेश कार्यकारणी को संबोधित करते हुई महासभा की उपलब्धियों के संबंध में जानकारी देते हुई समाज को सामाजिक, कुशवाहा राकेश महतो द्वारा राष्ट्रीय एवं प्रदेश स्तरीय कार्यकारणी को अखिल भारतीय कुशवाहा महासभा के 4 फरवरी 2024 में होने चुनाव के संबंध में अवगत करायी साथ ही महासभा की निर्वाचन समिति की भी घोषणा की गई।

जिला न्यायालय परिसर में 2 करोड़ 52 लाख रूपए की लागत के विकास कार्यों का किया लोकार्पण एवं भूमिपूजन

समाज के विकास में अधिवक्ताओं का महत्वपूर्ण योगदान: मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने दुर्ग जिले के अधिवक्ताओं को बड़ी सौगातें दी है। उन्होंने आज दुर्ग प्रवास के दौरान जिला न्यायालय परिसर में 33 लाख रूपए की लागत से निर्मित अधिवक्ता संघ के आदर्श लाइब्रेरी का लोकार्पण तथा 2 करोड़ 19 लाख रूपए की लागत से बार रूम नंबर 04 की पुरानी बिल्डिंग के नये सिरे से निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के एडवोकेट जनरल सतीश चंद्र वर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

समारोह को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि शपथ ग्रहण के समय अधिवक्ता संघ द्वारा लाइब्रेरी एवं बार रूम मरम्मत की मांग की गई थी। मुझे खुशी है कि छत्तीसगढ़ में न्यायालयीन व्यवस्था से जुड़ी व्यवस्था संबंधी विभिन्न मांगें पूरी की गई है। उन्होंने देश की आजादी में अधिवक्ताओं की योगदान को उद्धृत करते हुए कहा कि समाज के विकास हेतु तब भी अधिवक्ताओं का योगदान रहा और आज भी है। आज समाज में सबसे ज्यादा बुद्धिजीवियों में अधिवक्ताओं को



माना जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत के संविधान में व्यवस्था है कि यदि आप आरोपी हैं, तो को भी आपको कानून सम्मत अपनी बातें रखने का अवसर मिलता है। मुख्यमंत्री ने न्यायालयीन व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में अधिवक्ताओं के योगदान के लिए सभी को शुभकामनाएं दी। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के एडवोकेट जनरल श्री सतीश चंद्र वर्मा ने अपने उद्बोधन में न्यायालयीन व्यवस्था

में आवश्यकताओं के लिए मुख्यमंत्री जी की पहल पर प्रकाश डाला। अधिवक्ता संघ की अध्यक्ष सुश्री नीता जैन ने स्वागत प्रतिवेदन में संघ की बहुप्रतीक्षित मांग पूरी होने पर मुख्यमंत्री जी को संघ की ओर से साधुवाद दिया। समारोह में जिला एवं सत्र न्यायाधीश रीता यादव एवं अन्य न्यायाधीश, जिला बार एसोसिएशन के पदाधिकारी एवं अधिवक्तागण, विधायक श्री अरूण वीरा एवं देवेन्द्र यादव,

राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के श्री आर.एन. वर्मा, नगर निगम दुर्ग के महापौर श्री धीरज बाकलीवाल उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने किया आर्गेनिक सी-मार्ट का अवलोकन

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज गंजपारा दुर्ग में नवनिर्मित आर्गेनिक सी-मार्ट के प्रवेश द्वार पर फीता काटकर इसका अवलोकन किया। 67 लाख रूपए की लागत से निर्मित इस आर्गेनिक सी-मार्ट में किसानों द्वारा उत्पादित आर्गेनिक उत्पादकों की बिक्री की व्यवस्था की गई है। ज्ञात हो कि जिले में कुल 155 जैविक बाड़ियां हैं, जिसमें 60 जैविक बाड़ियों में साग-सब्जी-फल का उत्पादन हो रहा है। जिले में पंजीकृत 1200 किसान जैविक खेती कर रहे हैं। सी-मार्ट के आरंभ हो जाने के पश्चात् इन्हें अपनी उपज का उचित मूल्य मिल रहा है। सी-मार्ट के माध्यम से अब तक एक करोड़ 78 लाख रूपए की जैविक उत्पादों की बिक्री हो चुकी है।

इस अवसर पर दुर्ग विधायक अरूण वीरा एवं भिलाई विधायक देवेन्द्र यादव, नगर निगम दुर्ग के महापौर धीरज बाकलीवाल, कलेक्टर पुष्पेन्द्र कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा, जिला पंचायत के सीईओ अश्वनी देवांगन एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

सीएम भूपेश बघेल ने किया भव्य सी-मार्ट का लोकार्पण, विधायक व महापौर ने किया सीएम का आभार व्यक्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत गंज मंडी काम्प्लेक्स में भव्य सी-मार्ट का लोकार्पण आज मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने किया। इसके साथ ही मुख्यमंत्रीभूपेश बघेल दुर्ग के सी-मार्ट के पहले ग्राहक बने दरअसल दुर्ग में उत्पादित बेहतरीन और अनूठी सामग्रियों के एक ही स्थान पर विक्रय की उपलब्धता के लिए राज्य सरकार द्वारा जिलों में सी मार्ट की शुरुआत की गई है।

इस मौके पर विधायक अरूण वीरा, महापौर धीरज बाकलीवाल उपस्थित रहे गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा राज्य के सभी जिला मुख्यालय में राज्य के लघु, कुटीर



उद्योगों, स्व-सहायता समूहों के उत्पादों को बिक्री के लिये सुपर मार्केट की तर्ज

पर सी-मार्ट प्रारंभ किये जा रहे हैं इसी-मार्ट के माध्यम से छत्तीसगढ़ के लघु,

कुटीर उद्योगों और परंपरागत शिल्पियों, बुनकरों, दस्तकारों, कुंभकारों के साथ महिला समूहों, गोठान में निर्मित सामग्री के साथ-साथ वन विभाग के उत्पादों की बिक्री भी की जाएगी।

इससे स्थानीय लोगों के लिये रोजगार के नए अवसर बढ़ेंगे। जिसके लिए महापौर धीरज बाकलीवाल ने सीएम के प्रति दिल से आभार व्यक्त किया इस अवसर पर पिछड़ा वर्ग आयोग के उपाध्यक्ष आरएन वर्मा, कलेक्टर पुष्पेन्द्र मीणा, आयुक्त लोकेश चन्द्राकर, सीईओ अश्वनी देवांगन, सभापति राजेश यादव, अब्दुल गनी, रमेश जैन, संजय कोहले, हमीद खोखर, भोला महोदिया, पार्षद ब्रह्मा सोनी, एल्वरमेन रत्ना नारमदेव, संदीप वीरा के अलावा आदि मौजूद रहें।

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सांकरा को राष्ट्रीय स्तर का गुणवत्ता सर्टिफिकेट प्राप्त हुआ है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मंडल ने बताया कि गत दिनों केन्द्रीय मूल्यांकन टीम ने 05 विषयों प्रसव कक्ष, ओपीडी, आईपीडी, लेबोरेटरी और राष्ट्रीय कार्यक्रमों के क्रियान्वयन पर मूल्यांकन कर दस्तावेजों का परीक्षण, स्टॉफ एवं मरीजों का इंटरव्यू किया गया।

इस दौरान मैदानी कार्यकर्ताओं का इंटरव्यू लिया गया और सभी राष्ट्रीय कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की समीक्षा और मूल्यांकन किया गया। इसके बाद पीएचसी सांकरा के एनक्यूएएस सर्टिफाइड होने की

जानकारी दी गई।

खण्ड चिकित्सा अधिकारी नगरी डॉ डी.आर. ठाकुर ने बताया कि इससे पूर्व भी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सांकरा ने स्थानीय ग्राम पंचायत के साथ मिलकर राष्ट्रीय स्तर पर स्वास्थ्य पंचायत का सर्टिफिकेट प्राप्त कर चुके है। स्वास्थ्य केंद्र के सेवाओं को सुदृढ़ करने में स्थानीय ग्राम पंचायत और जनपद पंचायत नगरी का सहयोग रहा है।

जिला कार्यक्रम प्रबंधक धमतरी श्रीमती प्रिया कर्वर ने बताया कि इस गुणवत्ता सर्टिफिकेट को प्राप्त करने में राज्य और जिला कार्यालय के उच्च अधिकारियों और सलाहकार व अन्य तकनीकी स्टाफ का विशेष सहयोग रहा है।

महापौर परिषद की बैठक में 11 प्रस्ताव पर मिली स्वीकृति

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शिवाजी नगर खुशीपार क्षेत्र के जोन 1, 2 एवं 3 की सीवर पाईप लाइन तथा 7 वार्डों में बीएसपी मकान के बैक लाईन में 40 वर्ष पूर्व बिछाए गये सीवर लाईन के संधारण कार्य की स्वीकृति महापौर परिषद ने प्रदान किया है, ताकि जल जनित बिमारी पर रोक थाम हो सके साथ ही अन्य 9 प्रस्ताव को स्वीकृत किया गया है।

महापौर परिषद की बैठक महापौर नीरज पाल की अध्यक्षता तथा उपायुक्त रमाकांत साहू एवं परिषद के सदस्यों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। बैठक में कुल 11 प्रस्ताव विचार हेतु प्रस्तुत किये, जिसमें खुर्सीपार के जोन 1, 2



एवं 3 में सीवर लाईन निर्माण हेतु निविदा आमंत्रित किये जाने तथा वार्ड 38, 39, 42, 45, 48, 49 एवं 50 में बी.एस.पी. क्वार्टर के बैक लाईन में 40 वर्ष पूर्व बिछाये गये पेयजल पाईप लाईन तथा सीवर लाईन पूर्ण रूप से

क्षतिग्रस्त होने के कारण पेयजल हेतु प्रदाय किये जाने वाले पानी से डायरिया, पोलिया जैसे जल जनित बिमारी की आशंका बनी रहती है, जिसके स्थायी समाधान के लिए सीवर लाईन का संधारण एवं आवश्यकता

अनुसार बदले जाने की स्वीकृति प्रदान किया गया है।

राम नगर मुक्तिधाम में शवदहन हेतु जलाऊ लकड़ी की आपूर्ति, वार्ड 25 संतोषी पारा तेलहानाला का विकास कार्य किये जाने की

स्वीकृति दी गई। जोन 5 सेक्टर 6 के 14 वार्डों में सार्वजनिक मंच, सामुदायिक भवन, मैदान, उद्यान का संधारण एवं प्रकाश व्यवस्था कार्य की वही सेक्टर 10 के सड़क 42 एवं 43 में पाथवे निर्माण की स्वीकृति महापौर परिषद ने प्रदान किया है तथा वार्ड 5 में जर्जर सामुदायिक शौचालय, गांधी नगर में पुराना फउण्टेन, शेड युक्त मंच पुड़की पारा फरीद नगर तथा कृष्णा नगर में क्षतिग्रस्त पम्प हाउस को ध्वस्त करने की अनुमति तकनीकी रिपोर्ट के आधार पर प्रदान किया गया है।

बैठक में महापौर परिषद के सदस्य एकांश बछौर, संदीप निरंकारी, केशव चौबे, मन्ना गम्पर खान, रीता सिंह गेरा, मालती ठाकुर, मोरा बंजारे, लक्ष्मीपति राजू, सीजू एथोनी, चन्द्रशेखर गंवई, जोन आयुक्त सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

डेंगू की रोकथाम के लिए सघन अभियान

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिले के विभिन्न क्षेत्र में जिनमें से भिलाई नगर निगम क्षेत्र व दुर्ग नगर निगम क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग व नगर निगम के अमले द्वारा डेंगू से संबंधित नियंत्रण में रोकथाम का कार्य निरंतर किया जा रहा है। आज 03 अक्टूबर 2023 को डेंगू एलिजा पॉजिटिव के 03 नये प्रकरण मिले हैं। वर्तमान से मरीज भर्ती हैं एवं कोई भी मरीज की गंभीर स्थिति नहीं है। मरीजों के निवास क्षेत्र पर विभाग के मैदानी अमले द्वारा मास्किटो सोर्स रिडक्शन का कार्य दैनिक रूप से किया गया है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जे.पी. मेश्राम के अनुसार डेंगू एलिजा पॉजिटिव के नये मरीज शांतिनगर सुपेला भिलाई से 1 केलावाडी से 1 एवं रिसाली सेक्टर से 01 का रहवासी है नगर निगम भिलाई, चरोदा, रिसाली जनस्वास्थ्य विभाग, भिलाई इस्पात संयंत्र एवं

नगर निगम दुर्ग की टीम के द्वारा लगातार डेंगू प्रभावित क्षेत्रों में लार्वा नष्टीकरण के लिए टेमीफॉस एवं एडिस मच्छर को नष्ट करने के लिए मेलाथिरियो से फ्रिंगिंग का कार्य किया जा रहा है। डेंगू नियंत्रण एवं रोकथाम हेतु दुर्ग, भिलाई, चरोदा, रिसाली नगर निगम जनस्वास्थ्य विभाग, भिलाई इस्पात संयंत्र, स्वास्थ्य विभाग ग्रामीण / शहरीय की टीम द्वारा कुल 116565 घंटों का सर्वेक्षण किया जा चुका है, जांच किये कुल पानी टंकी व अन्य कंटेनर की संख्या- 155028 जिनमें से 55546 खाली कराये गये सभी कंटेनरों में 91345 स्थानों में टेमीफॉस डालकर लार्वा का नष्टीकरण किया गया, 119301 पाम्पलेट के माध्यम से डेंगू व मलेरिया से बचाव के लिए स्वास्थ्य शिक्षा दी गयी। जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला मलेरिया अधिकारी, सभी नगर निगम एवं मीडिया के द्वारा लगातार लोगों से यह अपील की जा रही है, कि सप्ताह में एक दिन शुष्क दिवस के रूप में मनाया जाना डेंगू की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए उचित होगा। उस दिन घर के सारे कंटेनर जैसे कुलर, पानी

टंकी व अन्य जिसम बारिश का पानी एकत्रित हो उसको समतल जगह में उस पानी की निकासी की जाये सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग डेंगू एवं मलेरिया की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए कारगर होगा। अपील नहीं मानने पर यदि किसी घर मे पहली बार लार्वा मिलता है तो नगर निगम के कर्मचारियों द्वारा समझाईश दी जाएगी और दुसरी बार लार्वा मिलने पर 500 रू. से लेकर 5000रू. तक का अर्थदंड वसूला जाएगा जिसकी जवाबदारी स्वयं की होगी। जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जे.पी. मेश्राम एवं जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. सी. वी. एस. बंजारे के द्वारा लोगों से यह अपील की जाती है कि बुखार आने पर मलेरिया एवं डेंगू की जाँच की जाये डेंगू एवं मलेरिया की जाँच जिला चिकित्सालय, सिविल अस्पताल, सभी सामु.स्वा. केन्द्र / प्राथ. स्वा.के., शहरी प्राथ. स्वा. केन्द्र, उपस्वास्थ्य केन्द्र, हेल्थ एवं वेलनेस सेंटर में जाँच निःशुल्क किया जा रहा है। जाँच के उपरान्त ही डॉक्टर के परामर्श से दवा लेना उचित होगा।

ऊं साईं राम माँ पुस्तक भंडार



होलसेल में काफी-किताब एवं स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान

पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है

रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972

CROWN - TV

Choice Of Millions

LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65



Premier sales 8959493000

A Leela Electronics 9425507772

Reena Electronics 9329132299

Shree Electronics 7000827361

Maa Durga Electronics 9827183839

Rohit Electronics 94242-02866

Authorised Distributors For Chhattisgarh

Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

सहायक शिक्षकों को दस्तावेज सत्यापन उपरांत जारी किए जा रहे नियुक्ति पत्र

रायपुर। लोक शिक्षण संचालनालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार सहायक शिक्षक की भर्ती प्रक्रिया के क्रम में सभी श्रेणी के अभ्यर्थियों को दस्तावेज सत्यापन के लिए बुलाया जा रहा है। दस्तावेज सत्यापन उपरांत पात्र अभ्यर्थियों को उनकी मेरिट के अनुसार रैंक तथा उपलब्ध पदों के आधार पर नियुक्ति पत्र जारी किये गये हैं।

गौरतलब है कि आरक्षण नियमों के अनुसार अनारक्षित संवर्ग में सभी श्रेणी के अभ्यर्थियों को मेरिट में उनके रैंक अनुसार नियुक्ति दी जाती है तथा अन्य संवर्गों में केवल संबंधित श्रेणी के अभ्यर्थियों को ही नियुक्ति दी जाती है। इसका तात्पर्य है कि यदि अन्य पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थी की मेरिट में रैंक सामान्य श्रेणी के अभ्यर्थी से उपर है, तो उसे अनारक्षित श्रेणी में नियुक्ति की पात्रता है। अधिकारियों ने बताया कि नियुक्ति की कार्यवाही शीघ्र पूर्ण करने के लिए उपलब्ध पदों से अधिक अभ्यर्थियों को दस्तावेज सत्यापन हेतु आमंत्रित किया गया था। इस कारण सामान्य श्रेणी के कुछ ऐसे अभ्यर्थी जिनके रैंक अन्य पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों के रैंक से नीचे थी, उन्हें अनारक्षित संवर्ग में नियुक्ति नहीं मिल पाई है क्योंकि अनारक्षित संवर्ग के पद भर गये हैं। यहां स्पष्ट किया जाता है कि अनारक्षित संवर्ग में नियुक्ति प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों से उपर रैंक वाले किसी भी श्रेणी का कोई अभ्यर्थी नहीं छूटा है। अनारक्षित संवर्ग में नियुक्ति प्राप्त करने वाले अभ्यर्थी की अंतिम रैंक 2005 है। अधिकारियों ने बताया कि यदि इस रैंक से उपर का कोई अभ्यर्थी नियुक्ति से छूटा है एवं दस्तावेज सत्यापन में उसे पात्र पाया गया है, तो ऐसा व्यक्ति संचालक लोक शिक्षण संचालनालय छ.ग. के समक्ष अभ्यावेदन प्रस्तुत कर सकता है।

मात्रात्मक त्रुटि दूर कर आपको अपनी जनजातीय पहचान मिली

आपके धैर्य और साहस के साथ हमारे प्रयासों से सुरक्षित हुए आपके अधिकार: भूपेश बघेल

मालखरौदा अब होगा नगर पंचायत चंद्रपुर में बनेगा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश के जिन 12 जनजातियों को मात्रात्मक त्रुटि के कारण प्रमाण पत्र नहीं मिल रहे थे। इन समुदायों का जाति प्रमाण पत्र बनने से शासकीय सेवाओं में नौकरियां मिली है। इनके अधिकार सुरक्षित हुए हैं। यह आपके धैर्य साहस और संघर्ष की जीत है और उपलब्धि का दिन है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सभी जिले के डभरा में आयोजित लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने 145 करोड़ रूपए की लागत के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन कर क्षेत्रवासियों को बड़ी सौगात दी। साथ ही उन्होंने मालखरौदा को नगर पंचायत बनाने और चन्द्रपुर में समुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बनाए जाने की घोषणा की। कार्यक्रम में जनजाति समुदाय ने 12 जातियों के अनुसूचित जनजाति में शामिल होने पर गजमाला पहनाकर मुख्यमंत्री बघेल का आभार जताया और अपनी खुशी जाहिर की।

मात्रात्मक त्रुटि में सुधार से 12 समुदाय अनुसूचित जनजाति में शामिल, इससे इन्हें मिल रही सरकारी नौकरी, गढ़द् समुदायों ने गजमाला से किया मुख्यमंत्री का स्वागत

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने लोकार्पण भूमिपूजन कार्यक्रम में कहा कि यह सरकारी किसानों, आदिवासियों और मजदूरों की सरकार है और हमेशा हम आपके साथ खड़े हैं और खड़े रहेंगे। हमारी सरकार ने आदिवासियों को उनके अधिकार वापस दिलाए। उनके तीज-त्यौहार और आदिम संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए हम लगातार काम कर रहे हैं। श्री बघेल ने कहा कि आदिवासियों की लगभग एक लाख एकड़ जमीन उद्योग और व्यापार के नाम पर छीन ली गई थी, जिसे हमने वापस लौटाने का काम किया है। ऐसा देश के इतिहास में पहली बार हुआ है कि आदिवासियों को उनकी भूमि वापस की गई है।

मुख्यमंत्री ने आज शुरू किए गए स्वामी आत्मानंद कोचिंग योजना की जानकारी देते



हुए कहा कि हमने ऐलन संस्था के साथ एमओयू किया है और इसके माध्यम से बच्चों को मुफ्त कोचिंग देने की शुरुआत हुई है। हमारी सरकार ने युवाओं के करियर निर्माण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। साथ ही मैंने आज घोषणा की है कि प्रदेश के सभी विकासखंडों में छात्र-छात्राओं को पीएससी की निःशुल्क ऑनलाइन कोचिंग दी जाएगी। इस पहल से पूरे प्रदेश के प्रतिभावान युवाओं

को अवसर मिलेगा और वे अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में अधिक मेहनत कर पाएंगे।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि पिछले पांच सालों में हमने 100 राजस्व तहसील बनाने का काम किया है, जिससे प्रदेश के दूर-दराज में रहने वाले लोगों को सर्वाधिक सुविधा मिली है। जाति, आय, निवास जैसे प्रमाणपत्रों के आसानी से बनने सहित राजस्व मामलों के निराकरण में तेजी आई है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी हमने मजबूत ढांचा बनाया है, और बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। धन्वंतरी योजना से लोगों को सस्ती दरों पर दवाइयां मिल रही है, जिससे उनके पैसों की बचत हुई है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि हमारी

सरकार ने 19 लाख किसानों का साढ़े 9 हजार करोड़ रुपए का ऋण माफ किया। हमने किसानों को उपज का सही दाम देकर उनके जीवन में खुशहाली लाने का काम किया है।

उन्होंने कहा कि राजीव गांधी किसान न्याय योजना की तीसरी किश्त 28 सितंबर को मिल चुकी है और चौथी किश्त भी 31 मार्च 2024 के पहले मिल जाएगी। हमारी सरकार में लगातार धान की खरीदी भी बढ़ी हैं और पिछले साल हमने 107 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी की। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार ने आदिवासियों और अनुसूचित जातियों और किसानों के हित का काम किया है और यहां पूरे देश में तीन चौथाई लघु वनोपजों की खरीदी हो रही है। कार्यक्रम को विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत और विधायक रामकुमार यादव ने भी सम्बोधित किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री सह अतिथियों ने जिला प्रशासन और यूनीसेफ की संयुक्त पहल सर्वशक्ति योजना का शुभारंभ किया।

कार्यक्रम में गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष राजेश्री महंत डॉ. रामचंद्र दास, विधायक चन्द्रपुर रामकुमार यादव, जनप्रतिनिधि, आदिवासी समाज के पदाधिकारी सहित बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण प्रशिक्षण संस्थान के अधिकारियों-कर्मचारियों किया श्रमदान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर (ए)। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण प्रशिक्षण संस्थान फील्ड प्रशिक्षण केंद्र में 1 अक्टूबर की सुबह 10 से 11 बजे तक स्वच्छता हो सेवा के तहत ‘1 तारीख 1 घंटा श्रमदान’ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण प्रशिक्षण संस्थान, हैदराबाद के उप महानिदेशक डॉ. मैथ्यू जोसेफ एवं भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण राज्य इकाई छत्तीसगढ़ रायपुर के उप



महानिदेशक एस. पी. धनविजय के निदेशानुसार आशीष वाधवानी ने फील्ड प्रशिक्षण केंद्र रायपुर में श्रमदान के अभियान का आयोजन किया। फील्ड प्रशिक्षण केंद्र के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी ने स्वच्छता अभियान में बढ़ चढ़कर भाग लिया। इस दौरान टी-शर्ट और टोपी का भी वितरण किया गया। अंत में आशीष वाधवानी, वरिष्ठ भूवैज्ञानिक, फील्ड प्रशिक्षण केंद्र, रायपुर ने सभी कर्मचारियों को स्वच्छता अभियान से जोड़ने के लिए धन्यवाद दिया।

श्रमिकों के लिए न्यूनतम वेतन की नई दरें निर्धारित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। श्रमायुक्त छत्तीसगढ़ द्वारा लेबर ब्यूरो शिमला द्वारा जारी उपभोक्ता मूल्य सूचकांक और परिवर्तनशील महंगाई भत्ते के आधार पर विभिन्न अनुसूचित नियोज्जों में कार्यरत श्रमिकों के लिए एक अक्टूबर 2023 से 31 मार्च 2024 तक के लिए न्यूनतम वेतन दरें निर्धारित की गई हैं। यह दरें 45 अनुसूचित नियोज्जों, कृषि नियोजन, अगरबत्ती नियोजन तथा तम्बाकू विनिर्माण (जिसमें बोड़ी बनाना भी शामिल है) के लिए प्रतिदिन और प्रतिमाह श्रमिकों के

लिए न्यूनतम वेतन मान की नई दरें निर्धारित की गई हैं। इसमें जोन ‘अ’ श्रमिक के अंतर्गत उच्च कुशल मजदूरों का वेतनमान 12,830, कुशल मजदूरों का 12,050, अर्धकुशल मजदूरों का 11,270 और अकुशल मजदूरों का 10,620 रूपए प्रतिमाह वेतन दरें निर्धारित की गई हैं। इसी तरह से अगरबत्ती उद्योग में नियोजित श्रमिकों के लिए दरों में वृद्धि की गई है।

न्यूनतम वेतन की निर्धारित दरों के लागू होने पर अब अकुशल श्रमिक जोन ‘अ’ के लिए 10 हजार 620 रूपए, जोन ‘ब’ के लिए 10

हजार 360 रूपए और जोन ‘स’ के लिए 10 हजार 100 रूपए प्रतिमाह न्यूनतम वेतन निर्धारित किया गया है। इसी तरह से अर्द्धकुशल श्रमिकों को जोन ‘अ’ के लिए 11 हजार 270 रूपए, जोन ‘ब’ के लिए 11 हजार 10 और ‘स’ के लिए 10 हजार 750 रूपए प्रतिमाह न्यूनतम देय होगा। इसी तरह से कुशल श्रमिकों जोन ‘अ’ के लिए 12 हजार 050 रूपए, ‘ब’ के लिए 11 हजार 790 रूपए और जोन ‘स’ के लिए 11 हजार 530 न्यूनतम वेतन देय होगा। उच्च कुशल श्रमिकों को जोन ‘अ’ के लिए 12 हजार 830 रूपए, ‘ब’ के लिए 12 हजार 870

रूपए और जोन ‘स’ के लिए 12 हजार 310 रूपए प्रतिमाह न्यूनतम वेतन मिलेगा।

कृषि श्रमिकों के लिए निर्धारित न्यूनतम वेतन अकुशल कृषि श्रमिकों के लिए प्रतिमाह 140 रूपए की वृद्धि हुई है। श्रमायुक्त ने बताया है कि एक अक्टूबर से प्रभावशील यह न्यूनतम वेतन दरें श्रम विभाग छत्तीसगढ़ शासन की वेबसाइट www.cglabour-nic-in पर भी उपलब्ध है। साथ ही श्रमायुक्त कार्यालय इंद्रावती भवन खण्ड तीन, द्वितीय तल नवा रायपुर से भी सम्पर्क कर जानकारी ली जा सकती है।

मुख्यमंत्री बघेल ने स्वामी आत्मानंद कोचिंग योजना का किया शुभारंभ

छत्तीसगढ़ के बच्चों को नीट और जेईई की फ्री कोचिंग

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इंजीनियरिंग एवं मेडिकल की प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए स्कूल शिक्षा विभाग की नवाचारी ‘स्वामी आत्मानंद कोचिंग योजना’ का अपने निवास कार्यालय से ऑनलाईन शुभारंभ किया। इस योजना के तहत प्रदेश के 146 विकासखंड मुख्यालयों और चार शहरों- रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर और कोरबा सहित 150 कोचिंग सेंटर के माध्यम से शासकीय स्कूलों में कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों को निःशुल्क कोचिंग दी जाएगी। मुख्यमंत्री बघेल और स्कूल शिक्षा मंत्री रविन्द्र चौबे के समक्ष स्वामी आत्मानंद कोचिंग योजना संचालन के लिए स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत समग्र शिक्षा, छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम एवं ऐलन कैरियर कोचिंग इंस्टीट्यूट प्राइवेट लिमिटेड के मध्य एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर स्वामी

आत्मानंद कोचिंग योजना के संबंध में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा तैयार ब्रोशर का विमोचन किया। उन्होंने राज्य के विकासखंडों के कोचिंग सेंटर में उपस्थित बच्चों से चर्चा कर योजना के संबंध में जानकारी ली। इस दौरान स्कूली बच्चों ने अपने बेहतर भविष्य के लिए योजना के प्रति भरपूर खुशी का इजहार करते हुए मुख्यमंत्री और स्कूल शिक्षा मंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने स्वामी आत्मानंद कोचिंग योजना का शुभारंभ करते हुए छत्तीसगढ़ में बच्चों के कैरियर निर्माण के लिए की एक और महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए कहा कि निकट भविष्य में पीएससी एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की सर्वसुविधा युक्त बेहतर ऑनलाईन कोचिंग की व्यवस्था भी हम सभी विकासखण्डों में करेंगे।

मुख्यमंत्री बघेल ने स्वामी आत्मानंद कोचिंग योजना का शुभारंभ करते हुए कहा कि यह योजना बच्चों के सुनहरे भविष्य को गढ़ने



में अहम साबित होगी। उन्होंने कहा कि सरकार की जिम्मेदारी है कि वह हर क्षेत्र में वातावरण का निर्माण करें। इस दिशा में हमारी सरकार द्वारा सबसे पहले कृषि के क्षेत्र में वातावरण बनाया। इससे कृषकों की संख्या और कृषि क्षेत्र की रकबा तथा उत्पादन में भी वृद्धि दर्ज की गई। इसी प्रकार स्वास्थ्य के क्षेत्र में किए गए काम का असर लोगों को दिखाई दे रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा के वातावरण के लिए हमारी सरकार द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसके तहत स्कूलों के अधोसंरचना

विकास के लिए बड़ी तादात में 1100 करोड़ रूपए की राशि का प्रावधान किया गया। इस राशि से स्कूलों के भवन का संधारण और कक्ष तथा अतिरिक्त कक्ष सहित आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था की गई। स्कूलों में 30 हजार शिक्षकों की भर्ती शुरू कर दी है।

मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि प्रदेश में ग्रामीण सहित दूरस्थ अंचल तक बच्चों को उत्कृष्ट शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए 753 स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी एवं हिंदी माध्यम के स्कूल संचालित हो रहे हैं। आज इनकी लोकप्रियता की

आज का पल ऐतिहासिक एवं अविस्मरणीय है

स्कूल शिक्षा मंत्री रविन्द्र चौबे ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि आज का पल ऐतिहासिक एवं अविस्मरणीय है। मुख्यमंत्री द्वारा 15 अगस्त को की गई घोषणा पर स्कूल शिक्षा विभाग ने त्वरित कार्यवाही कर अमलीजामा पहनाया है। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में शैक्षणिक विकास के लिए सार्थक कदम उठाया है। उन्होंने कहा कि पहले ग्रामीण क्षेत्र में पढ़ने वाले बच्चे कोटा जैसे संस्थाओं में कोचिंग की कल्पना नहीं करते थे मुख्यमंत्री ने बच्चों के भविष्य को साकार करने वाली योजना शुरू की है जो छत्तीसगढ़ के लिए क्रांतिकारी कदम है।

स्थिति यह है कि इन स्कूलों में एक-एक सीट पर प्रवेश के लिए 10-10 आवेदन आते हैं। राज्य में आज शुरू की गई स्वामी आत्मानंद कोचिंग योजना शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी निर्णय और एक अहम कदम साबित होगा। प्रदेश में पहले दूरस्थ नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में बंदूक से निकली गोलीयों की आवाज गुंजती थी। वहां आज राज्य सरकार द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में लाए जा रहे बदलाव से बच्चों के बेहतर भविष्य के अवसर तैयार हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना के तहत

हमने एक कदम और आगे बढ़ाते हुए कोचिंग के साथ-साथ शिक्षकों की समुचित व्यवस्था की गई है। एक कोचिंग सेंटर में भौतिक, रसायन, जीव विज्ञान एवं गणित विषय के लिए अलग-अलग नोडल शिक्षक चिह्नांकित कर लिए गए हैं। कोचिंग सेंटरों में अध्यापन कार्य का नियमित अवलोकन किया जाएगा और पालकों का फीडबैक भी लिया जाएगा ऑनलाईन कक्षाओं में टू-वे संवाद रहेगा अर्थात् विद्यार्थी विषय शिक्षकों से प्रश्न पूछ सकेंगे। इस दौरान विद्यार्थियों का लगातार आंकलन किया जाएगा।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:- 9303289950, 9827806026, 8962815243

प्रीति ड्रेस

मेन्स एण्ड लेडिस वियर

जवाहर मार्केट, पावरहाउस, भिलाई
मो. 9589230033, 9993840094

- जीन्स
- टी-शर्ट
- शर्ट
- ट्राउजर

भारत जीन्स

जवाहर मार्केट, पावर हाउस, भिलाई

आरना इंटरप्राइजेस

कांठवाला वाटरप्रूफायरके विक्रेता एवं सुधारक

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त

इलेक्ट्रॉनिक तराजू एवं सीसीटीवी कैमरा के विक्रेता व सुधारक

सर्कुलर मार्केट केम्प-2, भिलाई, न्यू जेपी रोडकेस के सामने

7828844440, 9993045122

नया बस स्टैंड, शिव मंदिर रोड, दुर्ग, 09981370285, 9302833333

आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता

अनुप ट्रेडर्स

सर्कुलर मार्केट, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई

प्रमोद इंटरप्राइजेस

गेंहू, चावल एवं दाल के थोक विक्रेता

लिंग रोड, केम्प-2, भिलाई-दुर्ग
फोन: 0788-2225449, 93290-13017

Hotel Shiv Prabha Inn. & Town King

The Family Restaurant

46-C Market, Near Sapana Talkies & Hotel Apana Keshari Lodge, Power House, Bhitai, Distt.-Burg (C.G.)

9893215251, 8966981590

Email:- ranjanaguptakeshari@gmail.com

BIHAR BOOT HOUSE

Jawahar Market, Power House Bhitai 9826181183

इन बीमारियों से बचाना है तो ब्रेस्टफीडिंग जरूर करवाएं, मां और बच्चे दोनों के लिए फायदेमंद

ब्रेस्टफीडिंग नवजात शिशु और उसकी मां के लिए कई मायनों में लाभदायक होता है। मां का दूध शिशु के लिए पौष्टिक तत्वों का अमूल्य स्रोत होता है और ब्रेस्टफीडिंग से बच्चे की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। इससे शिशु में संक्रमण, एलर्जी आदि कई बीमारियों का खतरा कम हो जाता है। वहीं मां के लिए भी ब्रेस्टफीडिंग कई फायदे होते हैं। यह मां के स्वास्थ्य के लिए भी बेहद लाभदायक हो सकता है। कई शोधों से पता चला है कि स्तनपान कराने वाली महिलाओं में स्तन कैंसर, ओवरियन कैंसर, डायबिटीज और पोस्टपार्टम डिप्रेशन का खतरा कम हो जाता है और इससे वजन कम करने में भी मदद मिलता है।



ओवरियन कैंसर

ओवरियन कैंसर महिलाओं में सबसे आम कैंसरों में से एक है। इसके कई कारण हो सकते हैं लेकिन कई शोधों से पता चला है कि जो महिलाएं स्तनपान करवाती हैं उनमें ओवरियन कैंसर होने की संभावना काफी कम होती है। स्तनपान करवाने से शरीर में प्रोलैक्टिन और एस्ट्रोजन जैसे हार्मोन्स का स्तर बढ़ता है जो ओवरियन कैंसर से सुरक्षा प्रदान करते हैं। इसलिए, महिलाओं को स्वयं और अपने बच्चे के स्वास्थ्य के लिए स्तनपान जरूर कराना चाहिए। स्तनपान न करकर वे स्तन कैंसर जैसी गंभीर बीमारी का शिकार हो सकती हैं। स्तन कैंसर से बचने का सबसे अच्छा तरीका है स्तनपान कराना।

स्तन कैंसर का खतरा

डॉक्टरों के अनुसार, जो महिलाएं स्तनपान नहीं करातीं, उनमें स्तन कैंसर होने का खतरा काफी अधिक होता है। यह एक साबित तथ्य है कि स्तनपान स्तन कैंसर से बचाव में मददगार हो सकता है। इसलिए, महिलाओं को स्वयं और अपने बच्चे के स्वास्थ्य के लिए स्तनपान जरूर कराना चाहिए। स्तनपान न करकर वे स्तन कैंसर जैसी गंभीर बीमारी का शिकार हो सकती हैं। स्तन कैंसर से बचने का सबसे अच्छा तरीका है स्तनपान कराना।

लैक्टेशन अमेनोरिया

जब कोई महिला स्तनपान नहीं करती है तो उसे लैक्टेशन अमेनोरिया होने का खतरा रहता है। लैक्टेशन अमेनोरिया एक ऐसी स्थिति है जो आमतौर पर स्तनपान नहीं करवाने वाली महिलाओं को देखी जाती है। लैक्टेशन अमेनोरिया में महिलाओं को अपने मासिक धर्म में रुकावट और अनियमितता महसूस होती है। यह स्थिति स्तनपान बंद होने के बाद प्रोलैक्टिन नामक हार्मोन के स्तर में अचानक गिरावट की वजह से उत्पन्न होती है।

ज्यादा देर तक फोन चलाना छीन सकता है आंखों की रोशनी बना सकता है अंधा

अगर आप भी दिनभर अपने मोबाइल फोन से चिपके रहते हैं तो अलर्ट हो जाइए। क्योंकि यह आपकी आंखों की रोशनी भी छीन सकता है। हेल्थ एक्सपर्ट्स भी स्मार्टफोन के साइड इफेक्ट्स से सावधान करते हैं। क्योंकि इससे जुड़ी समस्याएं काफी गंभीर हैं। ज्यादा फोन चलाने से सेहत से जुड़ी कई तरह की समस्याएं हो सकती हैं। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, फोन की स्क्रीन के संपर्क में ज्यादा रहना खतरों से भरा हुआ है। बच्चों में इसकी वजह से ग्लूकोमा की बीमारी तेजी से बढ़ रही है। जानें ज्यादा फोन चलाना क्यों खतरनाक है।

स्मार्टफोन से आंखों को बचाएं

ज्यादा देर तक मोबाइल फोन चलाने से आंखों की रोशनी पर निगेटिव असर पड़ता है। इसकी वजह से ड्राई आइज की समस्या हो सकती है। आपकी यह आदत ग्लूकोमा के खतरे को भी बढ़ा सकता है, जो अंधेपन का कारण भी बन सकता है। स्क्रीन से निकलने वाली ब्लू लाइट्स आंखों के लिए खतरनाक होती हैं।

फोकस करने में परेशानी

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक, स्मार्टफोन की आभासी दुनिया दिमाग को विचलित कर सकती है। यह दिमाग पर बुरा असर छोड़ सकती है। यह ध्रम की स्थिति भी पैदा कर सकता है। ऐसे बच्चे तो ज्यादा देर तक मोबाइल पर समय बिताते हैं, उनका फोकस पढ़ाई पर सही तरह नहीं बन पाता है।

मेटल हेल्थ पर असर

स्मार्टफोन पर वीडियो गेम और दूसरे ऐप का ज्यादा इस्तेमाल बच्चों में स्ट्रेस और डिप्रेशन बढ़ाने वाला हो सकता है। यह मेटल हेल्थ को बुरी तरह प्रभावित कर सकता है। लगातार फोन के इस्तेमाल से सिरदर्द और माइग्रेन का खतरा बढ़ा सकता है। इसलिए दिमाग को बेहतर रखने के लिए स्क्रीन टाइम को कम करना चाहिए।

स्मार्टफोन को लेकर अलर्ट

एक्सपर्ट्स मोबाइल फोन के खतरों से अलर्ट करते हैं। उनका कहा है कि इसका लंबे समय तक बुरा असर देखने को मिल सकता है। इसलिए रात में सोने जाने के करीब एक घंटे पहले स्क्रीन से बचना चाहिए। नोटिफिकेशन मैनेज करें, ताकि बार-बार फोन का इस्तेमाल न करना पड़े। इसके अलावा मोबाइल पर आई प्रोटेक्शन भी लगाएं, जिससे आंखों को इसके नुकसान से बचाया जा सके।



सामी सामी पर छोटी बच्चियों का डांस परफॉर्म देख झूम उठीं रश्मिका मंदाना, कहा- सो वयूट

एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना ने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपने फैस के पैन-इंडिया ब्लॉकबस्टर हिट पुष्पा: द राज के हिट ट्रैक सामी सामी पर डांस करते हुए एक वीडियो पर रिएक्ट किया। वीडियो देखने के बाद एक्ट्रेस ने कहा: सो वयूट। वीडियो में छोटी लड़कियां पूरे जोश के साथ सामी सामी पर डांस करती नजर आ रही हैं। इस वीडियो को कई सोशल मीडिया यूजर्स ने शेयर किया हुआ है और कैप्शन दिया: लिस्ट में एक और प्यारी जोड़ी शामिल हो गई। पुष्पा सॉन्ग का क्रेज इतनी जल्द रुकने वाला नहीं है। सामी सामी पॉपुलर ट्रैक बन गया है और ऐसे कई वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आए हैं, जिसमें नेटिजन्स इस ट्रैक पर डांस कर रहे हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो रश्मिका मंदाना, रणबीर कपूर के साथ बहुप्रतीक्षित एनिमल में दिखाई देंगी। हाल ही में रिलीज हुए टीजर में एक्ट्रेस ने जमकर तारीफें बटोरीं। इसके अलावा, वह फिल्म पुष्पा 2: द रूल में भी एक्टिंग करती नजर आएंगी। साउथ इंडियन इंटरनेशनल मूवी अवार्ड्स (एसआईएएमएफ) विजेता पुष्पा 2 और एनिमल के अलावा रेनबो, डी51 और अन्य फिल्मों में भी दिखाई देंगी।



बंटी और बबली 2 की हीरोइन शरवरी वाघ ने लेटेस्ट लुक से इंटरनेट पर मचाया बवाल फोटोज देख फैस रह गए दंग

बॉलीवुड एक्ट्रेस शरवरी वाघ आए दिन अपनी बोल्ड और हॉट फोटोशूट फैस के बीच शेयर कर लोगों को अपने हुस्न का कायल कर देती हैं। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर शेयर होती ही धमाल मचाने लगता है। हाल ही में बंटी और बबली 2 फेम एक्ट्रेस शरवरी वाघ ने अपना लेटेस्ट लुक फैस के बीच शेयर किया है। इन तस्वीरों में उनकी हॉटनेस देखकर लोग एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं। बंटी और बबली 2 की हीरोइन शरवरी वाघ किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर आते ही वायरल होने लगता है। हालांकि लेटेस्ट फोटोशूट में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। शरवरी वाघ ने अपने

लेटेस्ट लुक से इंटरनेट पर सनसनी मचा दी है। अपने इस एथनिक लुक में एक्ट्रेस कहर ढा रही हैं। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो अक्सर लाइमलाइट में आ जाती हैं। हालांकि इन फोटोज में भी उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैस लड्डू हो गए हैं। शरवरी वाघ ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान येलो कलर की फ्लोरल लुक में साड़ी पहनी हुई है। कानों में इयररिंग्स, बालों का बन् बनाव और साथ ही मिनिमल मेकअप कर के एक्ट्रेस शरवरी वाघ ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। एक्ट्रेस अपनी इन तस्वीरों में बेहद ही खूबसूरत नजर आ रही हैं। साथ ही फैस उनके इस ट्रेंडिशनल लुक से काफी ज्यादा इंप्रेस हैं।



दुर्गा, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243



BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY, SSC.

रामा कोचिंग

135, NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स

आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

वेन्टेक्स एवं ग्रहल्ल उपलब्ध यहां उचित ब्याज दर पर धरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई

9827938211, 9827171332



सत्ता की भूख में मोदी झूट बोलकर प्रधानमंत्री पद की गरिमा गिरा रहे - कांग्रेस

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री मोदी सत्ता की भूख में झूट बोलकर प्रधानमंत्री पद की गरिमा गिरा रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि बस्तर में प्रधानमंत्री ने फिर झूट बोला कि धान केंद्र सरकार खरीदती है जबकि हकीकत यह है कि वनोपज राज्य सरकार खरीदती है और देश का 70 प्रतिशत वनोपज अकेले भूपेश सरकार खरीदती हैं। प्रधानमंत्री नगरनार संयंत्र नहीं बेचने के संबंध में कुछ नहीं बोले उल्टा विनिवेशीकरण का प्रयत्न गिनाकर गये।

इसका मतलब है मोदी सरकार बस्तर के लोगों के भालनाओं के खिलाफ नगरनार संयंत्र को बेचेगी। मोदी ने 15 साल के



भ्रष्टाचार, कुशासन और बस्तर के शोषण के लिये बस्तर की जनता से माफ़ी नहीं मांगा। बस्तर के आदिवासियों का भाजपा राज में जो कत्लेआम हुआ था उस पर भी प्रधानमंत्री चुप रहे।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि मोदी ओबीसी, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति में भेदभाव कर रहे थे। जब वोट लेने की बारी आती है तब मोदी जी स्वयं ओबीसी बन जाते हैं और जब अधिकार देने की बारी आती है तो हिंदू-मुस्लिम की बात करके वैमनस्यता फैलाते हैं।

सांप्रदायिकता का जहर घोलने का कुत्सित प्रयास संवैधानिक पद पर बैठे देश के प्रधानमंत्री ने किया। यह मानसिकता कितनी खतरनाक है, जिसमें केवल चुनावी लाभ के लिए एक प्रधानमंत्री ही झूट बोल देता है, तो नीचे वाले संघी भाजपाइयों से कोई उम्मीद नहीं। प्रधानमंत्री पद की गरिमा को तार-तार कर दिए। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि कांग्रेस की भूपेश सरकार ने सर्व समाज के लिये आरक्षण पारित करवा कर राजभवन भेजा है जिसमें आदिवासी समाज के लिये

32 प्रतिशत, ओबीसी के लिए 27 प्रतिशत, अनुसूचित जाति के लिये 13 प्रतिशत, सामान्य गरीब वर्ग के लिए 4 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान है। मोदी ने यह नहीं बताया कि उन्होंने आरक्षण बिल को राजभवन में क्यों रोकवा कर रखा है? प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि केंद्र सूची के विषय पर राज्य की सरकार पर आरोप लगाकर एक बार फिर मोदी जी जानबूझकर गलत बयानी की। 2016-17 में जब केंद्र की मोदी सरकार थी और राज्य में रमन सिंह की सरकार थी तब छत्तीसगढ़ के नंदराज पहाड़ और वहां के लौह अयस्क को अदानी को बेचा गया। कांग्रेस ने उस समय भी विरोध किया था और सरकार में आने के बाद नंदीराज पहाड़ लीज को निरस्त करने बाकायदा प्रस्ताव केंद्र की सरकार को भेजा लेकिन उस पर आज तक मोदी सरकार मौन है, उल्टे गलत बयानी कर रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि नगरनार प्लांट के विनिवेश के

लिए केंद्र की मोदी सरकार ने 2017 में ईओआई जारी किया। बेचने की प्रक्रिया इस साल शुरू कर दी गई। इस ईओआई में टाटा, जिंदल, जेएसडब्ल्यू, अडानी समूह में बिड किया, अडानी के प्रतिनिधि प्लांट इंस्पेक्शन के लिए भी आए थे। 2017 में 20 हजार करोड़ से अधिक के लागत से बने इस एनएमडीसी के नारनार प्लांट का निजीकरण करने के मोदी सरकार के कुत्सित प्रयासों का कांग्रेस ने आरंभ से ही विरोध किया है। छत्तीसगढ़ विधानसभा में 2017 में विपक्ष में रहते हुए अशासकीय संकल्प प्रस्तुत किया और फिर सरकार में आने के बाद भूपेश सरकार ने शासकीय संकल्प पारित कर केंद्र को भेजा है। भूपेश सरकार ने आग्रह किया है कि सार्वजनिक उपक्रम एनएमडीसी का नगरनार संयंत्र निजी कंपनियों को नहीं बचा जाए, यदि केंद्र की सरकार नहीं चला पा रही है तो राज्य सरकार को दे दे, लेकिन अडानी प्रेम में केंद्र की मोदी सरकार जानबूझकर ऐसी ईओआई जारी किया है।

ग्राम खोपली और काशीडीह के ग्रामीणों ने थामा कांग्रेस हाथ, भूपेश सरकार के विकास कार्यों से हुए प्रभावित

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के नागरिकों के कांग्रेस प्रवेश का दौर जारी है। मंगलवार को ग्राम पंचायत खोपली और काशीडीह के 60 ग्रामीणों ने प्रदेश के गृहमंत्री एवं स्थानीय विधायक ताम्रध्वज साहू के समक्ष कांग्रेस में प्रवेश किया। विधायक श्री साहू ने कांग्रेस प्रवेश करने वाले नागरिकों का परंपरा अनुसार गमछा पहनाकर कांग्रेस परिवार में स्वागत किया व उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा कि नागरिकों की समस्याओं का त्वरित निदान किया जाएगा।

कांग्रेस प्रवेश करने वाले महिलाओं ने बताया कि क्षेत्र समेत गांव दर गांव हो रहे विकास कार्यों, विधायक ताम्रध्वज साहू की कार्यशैली, क्षेत्र के लोगों के प्रति उनका प्रेम और सुबह से लेकर रात तक जनता की सेवा में लगे रहते देख एवं कांग्रेस की रीति-नीति से प्रभावित होकर पार्टी में प्रवेश करने की इच्छा जाहिर की। विधायक साहू ने खोपली के ग्रामीणों की भावना का सम्मान करते हुए उनका कांग्रेस में प्रवेश कराया।

कांग्रेस प्रवेश करने वालों में लक्ष्मीचंद भारती, कुमार यादव, पिताम्बर यादव,आशीष भारतीय, धरम सिंह यादव, जोहन लाल सोनवानी, राकेश भारतीय, हरीष



भारतीय, जगताराम यादव, सुकलाल यादव, कासीराम यादव, कन्हैया यादव, शत्रुहन यादव, दुष्यंत जोशी, कोकीन यादव, किर्ती यादव, गायत्री यादव, अनिता यादव, कौशल्या यादव, पार्वती यादव, लक्ष्मी यादव, सुरेश यादव, मोतीलाल यादव, संतराम जोशी, बीसनी डहरिया, रमिया देशलहरे, भारती जोशी, जागेश्वर बंजारे, रामेश्वर सोनवानी, नोहर भारतीय, उर्मिला गेण्डे, लता कुर्, शांति डहरिया, जानकी डहरिया, जलवंतीन गेण्डे, रूबी डहरिया, दुष्यंत लता, हिमांचला, पार्वती डहरिया, दीपक साहू, इंद्रा डहरिया, सुरेश साहू, विनय कुमार टण्डन, दीपक डहरिया, रमेश मराकण्डे, करण नारंग, बोधन कुर्,रोहित धुंखु ने किया कांग्रेस प्रवेश।

इस अवसर पर प्रदेश के

गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू, अध्यक्ष केश कला शिल्प बोर्ड नंदकुमार सेन, उपाध्यक्ष श्रम कल्याण मंडल केशव बंटी हरमुख, सभापति जनपद पंचायत दुर्ग टिकेश्वरी देशमुख,जिला कांग्रेस कमेटी सचिव प्रदीप चंद्रकार, उपसरपंच जिला कांग्रेस सदस्य सुमन साहू, सेवा नियुक्त बैंक प्रबंधक रेखराज भारती, अरूण वर्मा, सेक्टर प्रभारी उपाध्यक्ष जिला कांग्रेसी ओ.बी.सी., गजेन्द्र कांकड़े, अध्यक्ष ओ.बी.सी. ब्लॉक, जनार्दन साहू महासचिव युवा कांग्रेस उपाध्यक्ष व राजीव युवा मितान अध्यक्ष, डोमन चतुर्वेदी, पूव उप सरपंच राकेश मारकण्डे, हितेन्द्र कांकड़े, मोना मारकण्डे, भागीरथी कुर्,मोहन चन्द्राकर,संत साहू,टिकेश्वर यादव,पुष्पा साहू नेताम उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने सक्ती जिले को 145 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों की दी सौगात



श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज सक्ती जिले के डभरा विकासखंड प्रवास के दौरान दशहरा मैदान डभरा में आयोजित कार्यक्रम में 1 अरब 45 करोड़ 5 लाख रुपए से अधिक के 170 विभिन्न विकास कार्यों की सौगात दी। मुख्यमंत्री द्वारा आज 141 करोड़ 58 लाख रुपए की लागत से निर्मित 152 कार्यों का भूमिपूजन और 3 करोड़ 46 लाख रुपए के लागत से बनने वाले 18 कार्यों का लोकार्पण किया गया।

मुख्यमंत्री श्री बघेल द्वारा कुल 18 लोकार्पित कार्यों में जनपद पंचायत डभरा अंतर्गत 120 लाख रुपए की लागत से 12 कार्य , जनपद पंचायत मालखरौदा अंतर्गत 36 लाख रुपए की लागत से 4 कार्य, लोक निर्माण विभाग अंतर्गत 150.630 लाख रुपए की लागत से 1 कार्य और वन विभाग अंतर्गत 40.070 लाख रुपए की लागत के 1 कार्य शामिल है। इसी प्रकार मुख्यमंत्री बघेल 141 करोड़ 58 लाख रुपए की लागत से कुल 152 विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। उनके द्वारा भूमिपूजन किए जाने वाले कार्यों में जनपद पंचायत डभरा अंतर्गत 293.140 लाख रुपए की लागत से 33 कार्य,

जनपद पंचायत मालखरौदा अंतर्गत 92 लाख रुपए की लागत से 8 कार्य, लोक निर्माण विभाग अंतर्गत 2367.220 लाख रुपए की लागत से 3 कार्य, वन विभाग अंतर्गत 91.960 लाख रुपए की लागत से 1 कार्य, नगर पंचायत चंद्रपुर अंतर्गत 2191.020 लाख रुपए की लागत से 4 कार्य, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत 761.030 लाख रुपए की लागत से 7 कार्य, जनपद पंचायत सक्ती अंतर्गत 217.970 लाख रुपए की लागत से कुल 20 कार्य, जनपद पंचायत जैजैपुर अंतर्गत 164.830 लाख रुपए की लागत से 17 कार्य, लोक निर्माण विभाग (सेतु) अंतर्गत 986.360 लाख रुपए की लागत से 2 कार्य, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग अंतर्गत 4112 लाख रुपए की लागत से 6 कार्य, नगर पंचायत डभरा अंतर्गत 2547.710 लाख रुपए की लागत से 26 कार्य और नगर पंचायत जैजैपुर अंतर्गत 333.640 लाख रुपए की लागत से 25 कार्य का भूमिपूजन किया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉक्टर चरणदास महंत, छत्तीसगढ़ राज्य गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष महंत श्याम सुंदर दास, विधायक विधानसभा क्षेत्र चंद्रपुर रामकुमार यादव, कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना, पुलिस अधीक्षक एम. आर. आहिरि सहित अन्य संबंधित जगप्रतिनिधि और अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

Shri Vijay Enterprises

Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.

Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

हॉस्पिटल सहित अनेक स्थानों पर चलाया गया स्वच्छता अभियान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। स्वच्छ भारत अभियान के तहत राष्ट्रीय स्तर पर सभी जगह एक साथ, एक समय पर 1 अक्टूबर को सुबह 10 बजे से 11 बजे तक, एक घंटे के लिये भारत देश को स्वच्छ, सुन्दर बनाने के लिए स्वच्छता ही सेवा के तहत स्वच्छता श्रमदान का कार्य किया गया। इसी के तहत सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के मुख्य चिकित्सालय पं जवाहरलाल नेहरू अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र, सेक्टर 9 में मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ एम रविंद्रनाथ के मार्गदर्शन में चिकित्सालय परिसर को संक्रमण मुक्त बनाने के लिए स्वच्छता अभियान चलाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में स्वच्छता निरीक्षक सुबोध देशपांडे द्वारा सबको स्वच्छता ही सेवा की शपथ दिलायी गई।

स्वच्छता श्रमदान कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ प्रमोद बिनायक एवं अन्य मुख्य चिकित्सा अधिकारियों



डॉ विनीता द्विवेदी, डॉ कौशलेन्द्र ठाकुर, डॉ राजीव पाल सहित महाप्रबंधक मोहम्मद शाहिद अहमद, बलवीर सिंह, डॉ सीरभ मुखर्जी, डॉ जीवन लाल, डॉ उदय एवं चिकित्सालय के नर्सिंग स्टाफ कर्मचारी, अधिकारी, वार्ड अटेंडेंट, सफाई मित्र आदि उपस्थित थे। पं जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र, सेक्टर-9 में स्वच्छता श्रमदान की शुरुआत चिकित्सालय के मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ रविन्द्र नाथ के नेतृत्व में सांकेतिक रूप से झाड़ू

लगाकर की गई। स्वच्छता श्रमदान का उद्देश्य पूरे चिकित्सालय परिसर को संक्रमण मुक्त, स्वच्छ सुन्दर, साफ स्वस्थ वातावरण निर्मित करना है ताकि प्रत्येक व्यक्ति को उपचार के लिए स्वच्छ वातावरण प्राप्त हो। वार्ड, ओपीडी, आकस्मिक कक्ष, दवाई वितरण केंद्र, पैथोलॉजी, एक्सरे, मनोचिकित्सा वार्ड, चेस्ट, आईसोलेसन, सर्जिकल, मेडिसीन सभी वार्डों की सफाई का स्तर तथा चिकित्सालय का बाहरी परिसर साफ सुन्दर व्यवस्थित हो इसका विशेष ध्यान रखा जाता है।

स्वच्छता परखवाड़ा मे चलाया गया मतदाता जागरुकता अभियान

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोण्डागांव। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी दीपक सोनी तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एवं स्वीप नोडल अधिकारी प्रेमप्रकाश शर्मा के निर्देशानुसार एवं संयुक्त कलेक्टर एवं उप निर्वाचन अधिकारी सीमा ठाकुर के मार्गदर्शन में जिले मे चलाए जा रहे मतदाता जागरुकता अभियान स्वीप कार्यक्रम के तहत नगरपालिका परिषद में कोण्डागांव मे चल रहे स्वच्छता परखवाड़ा कार्यक्रम में शामिल हुए।

इसमें स्वच्छता दीदी, स्वच्छता सुपरवाइजर एवं नगरपालिका परिषद के अधिकारी-कर्मचारियों के समक्ष मतदाता जागरुकता अभियान स्वीप भागे,अपने मत का करो सही दान उसे कार्यक्रम चलाया गया। इस कार्यक्रम में शामिल हुए प्रत्येक स्वच्छता दीदी ने अपने हाथों मे बैनर पोस्टर ले कर



अपने मत का करो सही उपयोग ना करे इसका दुरुपयोग,आज का युवा है सबसे आगे मतदान करने मे क्यों उड़े भागे,अपने मत का करो सही दान उसे समझे अपना आत्म सम्मान जैसे कई नारे लगाकर लोगों को अधिक से अधिक मतदान करने के लिए जागरूक

किया साथ ही साथ अपने अपने घर, मोहल्ला पारा में जाकर लोगों को ज्यादा से ज्यादा मतदान करने हेतु जागरूक करने की प्रतिज्ञा ली।कार्यक्रम अगली कड़ी में कार्यक्रम संयोजक व राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक टी.एंकट राव ने नगरपालिका परिषद

के परिसर मे उपस्थित स्वच्छता दीदीयों से कहा कि लोकतंत्र के इस महापर्व को सफल बनाने निष्पक्ष,स्वतंत्र एवं बिना किसी डर,भय,दबाव व बिना किसी प्रलोभन मे ना आकर अपने मत का सही उपयोग करते हुए शत प्रतिशत मतदान करें एवं इस लोकतंत्र के महापर्व को सफलता में अपनी सहभागिता को सुनिश्चित करे।

इस अवसर पर विकासखंड शिक्षा अधिकारी मनोज दुवे,सहायक खंड शिक्षा अधिकारी इश्माद अंसारी,जिला परियोजना अधिकारी साक्षरता वेणुगोपाल राव, ऋषिदेव सिंह, संजय राठौर, प्रभाकर सिंह, लिखेश्वर पांडेय, नारद मरकाम, मायामार उमरे, प्राचार्य अनूप विश्वास, जी.रामेश्वर राव, अशोक साहू, इरफान खान, रूपेश झा, शैलेश भट्ट, संतोष(नगरपालिक परिषद), नरेश ठाकुर, स्वच्छता दीदी,स्वच्छता सुपरवाइजर एवं नगरपालिका परिषद के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories

Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai

Mo.9300771925, 0788-4030919

K. Satyanarayan

मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है

7000415602

Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE

Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture

Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स

जॉस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गार्मेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन

एक बार अवश्य घूमाँ

गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY

Gifts • Toys • Cosmetics
 Perfumes • Sia Jewellery

Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727

Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास-खबर



त्योहारों के पहले मिठाई वालों पर सख्ती, खुले में बनाई और बेची तो कार्टवाई तय

रायपुर (ए)। पितृ पक्ष खत्म होने के बाद एक बार फिर त्योहारी सीजन शुरू हो जाएंगे। इसलिए खाद्य और औषधि विभाग ने मिलावटी सामान की बिक्री बाजार में रोकने अभी से सख्ती शुरू कर दी है। इस संबंध में कई जरूरी निर्देश भी जारी कर दिए गए हैं। एफएसएसआई ने दुकानदारों और हलवाइयों के लिए निर्देश जारी करते हुए कहा है कि खुले में मिठाई बनाने और सड़क पर पंडाल लगाकर बेचने वालों पर कार्टवाई की जाएगी। इसके साथ ही बेहतर क्वालिटी पर काम करना कहा गया है।

इसके साथ ही मिठाइयों, खासकर दूध उत्पादों में मिलावटी कच्चे माल पर भी सख्ती की जा रही है। इसके लिए जल्द ही नियमित जांच शुरू की जाएगी। विभाग के अफसरों की टीम वेयर हाउस और फैक्ट्रियों में आकस्मिक निरीक्षण करेंगी। विभाग के निर्देशों के अनुसार त्योहार में बिकने वाली मिठाइयों की लगातार सैंपलिंग की जाएगी। इन सभी सैंपलों की जांच लैब में कराई जाएगी। मार्केट में मिलावटी दूध का खतरा भी बढ़ रहा है इसलिए दूध सप्लाय करने वालों की भी मॉनिटरिंग की जाएगी। दूध, खोवा, घी और पनीर केवल एफएसएसआई पंजीकृत या लाइसेंस प्राप्त विक्रेताओं से ही खरीदना होगा।

बैंक में चोरी का प्रयास, स्ट्रांगरूम का दरवाजा नहीं तोड़ पाए

रायपुर (ए)। राजधानी के धरसीवा में स्थित बैंक ऑफबड़ौदा में चोरी की कोशिश की गई है। रविवार-सोमवार की दरमियानी रात बैंक की खिड़की तोड़कर नकाबपोश चोर बैंक के भीतर घुसे। उन्होंने स्ट्रांग रूम का दरवाजा तोड़ने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हो पाए। बाद में वहां लोग सीसीटीवी कैमरे तोड़कर भाग गए। रविवार-सोमवार दो दिन की छुट्टी बाद मंगलवार को जब बैंक खुला तो कर्मचारियों ने देखा कि खिड़की टूटी है। अंदर कागज बिखरे थे। तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस फुटेज के आधार पर चोरों की तलाश कर रही है।

पुलिस ने बताया कि धरसीवा में बैंक ऑफ बड़ौदा की शाखा है। शाखा के ब्रांच मैनेजर पी एस राव ने बताया कि शनिवार शाम को बैंक बंद होने के बाद वे घर चले गए। रविवार और सोमवार को बैंक बंद था। मंगलवार सुबह बैंक खोलने पहुंचे तो देखा कि खिड़की टूटी हुई थी। स्ट्रांग रूम का दरवाजा क्षतिग्रस्त था। फर्श पर दस्तावेज फैले थे। उन्हें अनहोनी का सफा हुआ। वहां लगे सीसीटीवी कैमरे की जांच की। इसमें दिखाई दिया कि आधी रात को कुछ नकाबपोश खिड़की के रास्ते भीतर आए थे। उन्होंने स्ट्रांग रूम में जाने की भी कोशिश की। यहीं कैश रखा था। पुलिस को शक है कि रेकी करने के बाद घटना को अंजाम दिया गया है।

बंदूक रखना मौलिक अधिकार नहीं, यह विशेषाधिकार: हाई कोर्ट ने-

आर्म्स एक्ट में संशोधन और रायपुर कलेक्टर के आदेश के खिलाफ याचिका की खारिज

बिलासपुर (ए)। हाई कोर्ट के जस्टिस संजय के अग्रवाल और जस्टिस राधाकिशन अग्रवाल की बेंच ने एक फैसले में कहा है कि बंदूक रखना मौलिक अधिकार नहीं है, यह सिर्फ वैधानिक विशेषाधिकार है। हाई कोर्ट ने आर्म्स एक्ट में संशोधन और रायपुर कलेक्टर के आदेश के खिलाफ याचिका खारिज कर दी है।

रायपुर निवासी हरदीप सिंह बेनीपाल ने हाई कोर्ट में याचिका लगाई थी, इसमें आर्म्स एक्ट के सेक्शन-3 के सब सेक्शन-3 में किए गए संशोधन और इसके बाद रायपुर के कलेक्टर द्वारा जारी आदेश की वैधानिकता की चुनौती देते हुए निरस्त करने की मांग की गई थी। याचिका में बताया गया कि उनके पास तीन बंदूकों का लाइसेंस है। पहले ये उनके पिता के नाम पर था, बाद में



उनके नाम पर ट्रांसफर हो गया। आर्म्स एक्ट 1959 के सेक्शन-3 के सब सेक्शन-3 में 13 दिसंबर 2019 को संशोधन किया गया, इस संशोधन के बाद एक व्यक्ति को अधिकतम दो बंदूकों के लिए लाइसेंस देने का नियम

तय किया गया।

एक्ट में संशोधन के बाद रायपुर के कलेक्टर ने 10 सितंबर 2020 को उन्हें तीसरे बंदूक के लाइसेंस के लिए शुल्क जमा करने के निर्देश दिए थे। हाई कोर्ट ने केंद्रीय गृह मंत्रालय के सचिव,

डायरेक्टर आर्म्स, रायपुर कलेक्टर-एसपी को नोटिस जारी किया था।

केंद्र ने कहा- सुरक्षा के लिए दो बंदूकें पर्याप्त

नोटिस के जवाब में केंद्र सरकार की तरफसे बताया गया कि आर्म्स एक्ट 1959 के प्रावधानों में आम लोगों की सुरक्षा और जरूरत के मद्देनजर 1971, 1983, 1985, 1988 और 1995 में संशोधन किए गए हैं। वर्ष 2019 का संशोधन देश और सार्वजनिक सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए किया गया है। व्यक्ति और संपत्ति की सुरक्षा के लिए दो बंदूकें पर्याप्त हैं। वही, राज्य सरकार की तरफ से कहा गया कि आर्म्स एक्ट में संशोधन केंद्र सरकार ने किया है। प्रशासन के एक्ट में संशोधन के अनुरूप कार्टवाई की है, लिहाजा वे औपचारिक पक्षकार हैं।

रायगढ़ एक्सिस बैंक डकैती मामले में 2 और गिरफ्तार

अपराधियों को बिहार से पकड़ लाई पुलिस पिस्टल, जिंदा कारतूस और बाइक जब्त

रायगढ़ (ए)। रायगढ़ जिले के बहुचर्चित एक्सिस बैंक डकैती मामले में पुलिस को एक और सफलता हाथ लगी है। घटना के बाद फरार हुये शेरघाटी गैंग के डकैतों की पतासाजी में CSP के **Leader** में बिहार, झारखंड रवाना हुई स्पेशल टीम ने बिहार के गया जिले में रेड कर गैंग के 2 डकैत- निलेश उर्फ नीतीश जादव और प्रकाश उर्फ पवन उर्फ पंकज जाधव को हथियार समेत गिरफ्तार कर रायगढ़ लाया गया है।

SP सदानंद कुमार के द्वारा गठित CSP के नेतृत्व में स्पेशल टीम रायगढ़ से ही आरोपियों के सभी उपलब्ध जानकारी को जुटाने में लग गयी थी जिनकी लगन और मेहनत के कारण उक्त डकैतों को गिरफ्तार करने में रायगढ़ पुलिस को सफलता मिली है।

ज्ञात हो कि शेरघाटी गैंग के इन डकैतों ने 19 सितंबर की सुबह हथियारों के साथ रायगढ़ के हिमरापुर चौक स्थित एक्सिस बैंक की मुख्य शाखा में डकैती



की घटना को अंजाम दिया था जिसमें डकैत बैंक से नकद 4.19 करोड़ रुपये और 78 पैकेट सोने के जेवरात कुल 5.62 करोड़ रुपये लेकर अलग-अलग वाहनों से फरार हो गये थे।

राज्य की सबसे बड़ी बैंक डकैती को

छत्तीसगढ़ पुलिस ने चैलेंज स्वरूप लिया गया। छत्तीसगढ़ पुलिस के DGP अशोक जुनेजा द्वारा तत्काल पड़ोसी राज्यों के आला अधिकारियों से संपर्क करते हुए स्थानीय पुलिस को सहायता उपलब्ध कराई तथा द्रुत बिलासपुर रेंज

और DIG गर्ग खुद रायगढ़ में कैप कर केस की कमान संभालते हुये मॉनिटरिंग हेतु मौजूद रहे।

शत प्रतिशत बरामदगी करते हुये शेरघाटी गैंग बिहार के 05 डकैत- (1) राकेश कुमार गुप्ता (2) उषेंद्र सिंह (3) निशान्त उर्फ पंकज कुमार महतो उर्फ राजेश दास (4) राहुल कुमार सिंह (5) अमरजीत कुमार को गिरफ्तार कर आरोपियों को पुलिस रिमांड पर लिया गया। पूछताछ में मिले महत्वपूर्ण इनपुट पर SSP रायगढ़ द्वारा CSP के नेतृत्व में थाना कोतवाली, चक्रधरनगर, साइबर सेल के स्टाफ की विशेष टीम गठित कर बिहार, झारखंड रवाना किया गया, जहां टीम ने टैक्निकल इनपुट और ह्यूमन इंटेलिजेंस के साथ बड़ी सूझबूझ और जान जोखिम में डालकर 02 हथियारबंद डकैत- निलेश उर्फ नीतीश जाधव और प्रकाश उर्फ पवन उर्फ पंकज जाधव को घेराबंदी कर पकड़ने में सफलता हासिल की।

आधीरात के बाद पेट्रोल डलवाने पहुंचे युवक, नहीं देने पर कर्मियों के साथ की मारपीट



श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले कुम्हारी थाना क्षेत्र में पंप कर्मियों के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। आधी रात के बाद पंप में पेट्रोल भरवाने युवक पहुंचे थे। पंप कर्मियों ने देने से मना किया तो युवकों ने मारपीट की। पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। मामले में शिकायत के बाद कुम्हारी पुलिस अज्ञात आरोपियों जांच में जुट गई है।

मिली जानकारी के अनुसार दो अक्टूबर की आधी रात के बाद तीन बजे एक कार में पांच अज्ञात युवक पहुंचे। पेट्रोल नहीं देने पर पेट्रोल पंप में घुसकर पंप के तीन कर्मचारियों की जमकर पिटाई कर दी। कर्मचारियों ने रात में पहले पेट्रोल का पैसे का भुगतान करने

को कहा उसके बाद पेट्रोल देने की बात को लेकर अज्ञात युवकों ने पंप कर्मचारी से वाद विवाद हो गया। आरोपियों ने गाली गलौज करते हुए पेट्रोल पंप में बने केबिन में घुसकर तीनों कर्मचारियों के साथ जमकर मारपीट की।

पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है जिसके बाद पेट्रोल पंप कर्मचारियों ने तत्काल इसकी सूचना पेट्रोल पंप के मैनेजर को दी और पंप कर्मचारियों ने कुम्हारी थाने में जाकर इसकी लिखित शिकायत दर्ज कराई। कुम्हारी थाना प्रभारी केशव कोसले ने बताया कि एचपी पेट्रोल में अज्ञात आरोपियों के द्वारा पंप के कर्मचारियों के साथ मारपीट की शिकायत के आधार पर अज्ञात आरोपियों पर मामला दर्ज कर आरोपियों की पतासाजी की जा रही है।

नाले में बही महिला का शव दूसरे दिन मिला

दूध व मट्ठा बेचने जंगल के बथान से गांव के लिए निकली थी

बलरामपुर (ए)। सोमवार को उफनते नाले को पार करने के दौरान बही महिला का शव मंगलवार शाम को नाले के किनारे मिला है। पुलिस ने शव को बरामद कर लिया है। मामला बलरामपुर जिले के सामरी थानाक्षेत्र का है।

मिली जानकारी के मुताबिक सामरी पाट क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बेतपानी के खम्हियापारा निवासी महिला पुसवा नगेशिया पति बिफना नगेशिया (55) सोमवार को जंगल से बनाए गए बथान से गांव की ओर जाने के लिए निकली थी। वह सोमवार शाम तक नहीं लौटी। उसकी खोजबीन की गई, लेकिन पता नहीं चला। मंगलवार दोपहर लोगों ने बोड़ुलता नाले में एक महिला का शव बहते हुए देखा। ग्रामीणों ने महिला के शव की पहचान पुसवा नगेशिया के रूप में

की। सूचना पर सामरी पुलिस करीब ढाई किलोमीटर जंगल में पैदल चलकर शव मिलने के स्थान पर पहुंची। शव को पंचनामा पश्चात् पीएम के लिए भेज दिया गया है।

दूध व मट्ठा बेचने निकली थी

पूछताछ में पता चला कि मृतका पुसवा नगेशिया एवं उसका पति बिफना नगेशिया के साथ हनुमातपारा के जंगल में बथान बनाकर पशुपालन करते थे। वे जंगल में ही कच्चा घर बनाकर रहते थे। दोनों दूध-दही बेचने का भी काम करते थे। सोमवार को पुसवा दूध व मट्ठा लेकर बथान से हनुमातपारा जाने के लिए निकली थी। पुसवा नगेशिया लगातार बारिश के कारण पानी से भरे नाले को पार करने के दौरान संभवतः बह गई।

कार्यालय कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, दुर्ग (छत्तीसगढ़)

दूरभाष नं. 0788-2210180, फैक्स नं. 0788-2210180, ई-मेल deo-durg.cg@nic.in

// निविदा सूचना //

क्र.2330/ वि.स.चु./ निविदा / 2023 दुर्ग दिनांक 27.09.2023

आगामी आम निर्वाचन 2023 एवं 2024 के लिये दुर्ग जिला अंतर्गत समस्त विधानसभा क्षेत्रों में प्रशिक्षण, नामांकन कार्यवाही, सामग्री वितरण एवं प्रति केन्द्र, मतदान केन्द्र, मतगणना, उद्घाटन दल, स्थैतिक निगरानी दल एवं अन्य निर्वाचन संबंधी कार्यों में वीडियोग्राफि एंगेज जाने हेतु पंजीकृत तथा अनुभवी संस्थाओं / फर्मों से प्रति 08 चण्डे प्रति कैमरा प्रत्येक दिन के दर निर्धारण हेतु दुर्ग जिले के लिए निविदा 01 वर्ष के रेट काट्रेक्टर के लिए आमंत्रित की जाती है। निविदा फार्म 1000.00 रुपये नगद या डिमांड ड्राफ्ट जमा कर जिला निर्वाचन अधिकारी दुर्ग (उप जिला निर्वाचन अधिकारी (सामान्य) का कार्यालयीन कक्ष) में निविदा प्रकाशन तिथि से दिनांक 07.10.2023 को सांय 05.30 तक बजे प्राप्त किया जा सकता है। निर्धारित फार्म में पूर्ण रूप से भरी निविदा जिला निर्वाचन अधिकारी दुर्ग (उप जिला निर्वाचन अधिकारी (सामान्य) का कार्यालयीन कक्ष) में दिनांक 08.10.2023 को अपराह्न 03.00 बजे तक स्वीड पोस्ट / साधारण पोस्ट से ही प्राप्त की जायेगी और उसी दिन अपराह्न 04.00 बजे उपरोक्त कक्ष में उपस्थित निविदाकारों या उनके प्राधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जाएगी। नियत समयबाधित के उपरान्त किसी भी स्थिति में निविदा स्वीकार्य नहीं होगा। निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी दुर्ग जिले की वेबसाइट www.durg.gov.in में अथवा इस कार्यालय में उप जिला निर्वाचन अधिकारी से संपर्क कर प्राप्त की जा सकती है।

संलग्न - निविदा प्रपत्र।

जी-05900/4

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी दुर्ग

नशीली दवा बेचते दो बदमाश पकड़ाए, मारी मात्रा में दवाइयां बरामद

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। वैशाली नगर थाना क्षेत्र में पुलिस को नशे के सौदागरों को पकड़ने में सफलता मिली है। क्षेत्र में नशीली दवाएं बेचने के लिए ग्राहक की तलाश करते दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से भारी मात्रा में नशीली दवाइयां बरामद की हैं। धारा 8/21 (ख) एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्टवाई की गई है।

मिली जानकारी के अनुसार वैशाली नगर पुलिस को सूचना मिली थी क्षेत्र में नशीली दवाओं का कारोबार चल रहा है।



सूचना के बाद पुलिस एसीसीयू की संयुक्त टीम द्वारा ऐसे लोगों पर नजर रखी जा रही थी। इस बीच पता चला की सड़क 18 सुभाष चौक बीएसपी स्कूल मैदान के पास नीले रंग का जींस पहने 02 व्यक्ति नशीली दवाइयां को बेचने ग्राहक की तलाश कर रहे हैं। कि सूचना मिलने पर टीम द्वारा सड़क 18 सुभाष चौक बीएसपी स्कूल मैदान के आस-पास घेराबंदी कर विनोद तिवारी एवं सुरेन्द्र सिंह गिल उर्फ सोनू को हिरासत में लिया।

दोनों के पास से नशीली दवाइयां 557 नग (स्प्रास ट्रैकन प्लस केप्सुल व अल्फाजोलम टेबलेट) कीमती 7680 तथा

नगदी रकम 8600 रुपए, 1 मोबाइल व एकटीवा वाहन जुमला कीमती तकरीबन 75000 रुपए बरामद कर जब्त किया गया। आरोपियों के खिलाफ धारा 8/21 (ख) एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। इस पूरी कार्टवाई में एसीसीयू से एएसआई शमित मिश्रा, प्रधान आरक्षक सत्येन्द्र मंडरिया, आरक्षक अरविंद मिश्रा, अमित दूबे, रिंकू सोनी, नितिन सिंह, डी प्रकाश, राकेश चौधरी व थाना वैशाली नगर से एएसआई सुरेश पाण्डेय, दिनेश कुमार, भागवत कुमार, जितेन्द्र सिंह, हेमेश बंछोर की उल्लेखनीय भूमिका रही।

सेक्टर-6 एवं रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-

9303289950, 9827806026, 8962815243

भिलाई मसाला उद्योग

शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि

128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स

विगत 6 वर्षों से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।

Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge
Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Colour etc.

रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | **Rakesh Sahu**
302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhillai - 490006

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान

निखार बैंगल

मो.- 9826186026

Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhillai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस

फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रैनकोट इत्यादि के विक्रेता

कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बड़ौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता: 93003-77572

उसे लगता है कि मेरी उड़ान कुछ कम है मुझे यकीन है कि ये आसमान कुछ कम है

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क



भिलाई। उम्मीदों की अदृश्य पोटली से जन-अपेक्षाओं को पंख लगाना अक्सर जनप्रतिनिधियों की खूबी होती है। जनता की अपेक्षाओं को ज्यादा से ज्यादा बढ़ाना और हर बार उन्हें उम्मीदों की अदृश्य पोटली से आशवासन निकालकर परोस देना। लेकिन ऐसे भी जनप्रतिनिधि होते हैं जो आशवासनों की रेवड़िया बांटने की बजाए जमीन पर उतरकर काम करना पसंद करते हैं। कुछ अरसा पहले जब एक छात्र नेता को भिलाई ने महापौर बनते देखा तो अपेक्षाओं का भार ज्यादा था। संदेह था कि अनुभवहीन नाजूक कंधे इतनी बड़ी जिम्मेदारी कैसे उठा पाएंगे? किन्तु जब जिम्मेदारियां और जनअपेक्षाएं एक साथ सामने आईं तो इसी भिलाई ने उसी छात्र नेता को एक जननायक का रूप धरते भी देखा। जिस भिलाई में लोग चिट्ठियां लिखकर या अखबारी बयानबाजी कर अपनी नेतागिरी चमकाया करते थे, उसी भिलाई में एक ऐसे युवा का राजनीतिक प्रादुर्भाव हुआ, जिसने भिलाई की पूरी राजनीतिक दशा-दिशा ही बदलकर रख दी। नाम था- देवेन्द्र यादव। भिलाई के युवा महापौर के रूप में उन्होंने क्षेत्र का न केवल कायाकल्प कराया बल्कि लोगों का दिल जीतने में भी सबसे अग्रणी रहे। आगे चलकर यही युवा महापौर भिलाई का विधायक बना और यह साबित करने में भी कामयाब रहा कि जनता की अपेक्षाओं का माखौल बनाने से नहीं बल्कि उनकी छोटी-छोटी उम्मीदों पर खरा उतरकर भी सेवा-भावना को आगे बढ़ाया जा सकता है। देवेन्द्र, एक बार फिर चुनाव मैदान में हैं, लेकिन इस बार पूरा भिलाई उनके साथ है। विधायक के रूप में भिलाई में उनका पहला यादगार और शानदार कार्यकाल मौजूद है। परंतु देवेन्द्र यादव के भीतर कुछ और करने की कसक है। भावना है कि भिलाई को कुछ और बेहतर दिया जाए। विधायकी के महज एक पंचवर्षीय कार्यकाल में भिलाई को हजारों सीगातें देने वाले देवेन्द्र भविष्य में और बेहतर करने की सोच रखते हैं।

स्वामी आत्मानंद स्कूलों से आएगी शैक्षणिक क्रांति

स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल छत्तीसगढ़ सरकार की महती योजना है, जिसके जरिए निम्न और मध्यमवर्गीय परिवार के बच्चों को भी शिक्षा का बेहतर वातावरण उपलब्ध कराना है। भूपेश बघेल सरकार द्वारा हिंदी माध्यम से संचालित स्कूलों का उन्मयन कर अंग्रेजी माध्यम में परिवर्तित किया गया है। भिलाई नगर विधानसभा क्षेत्र में ही



विधायक देवेन्द्र यादव के प्रयासों से वार्ड क्रं. 41 धवनी, वार्ड क्रं. 45 खुसीपार व वार्ड क्रं. 61 सेक्टर-6 स्कूलों को स्वामी आत्मानंद स्कूलों में बदला गया है, जहां बच्चे व्यवस्थित व सुनियोजित तरीके से शिक्षा अंगीकार कर रहे हैं। इनके अलावा सेक्टर-9 स्थित उच्चतर माध्यमिक शाला को भी आत्मानंद स्कूल के रूप में विकसित करने की योजना है। वहीं छत्तीसगढ़ में पहली बार खुसीपार स्थित शासकीय आईटीआई को भी स्वामी आत्मानंद आईटीआई अंतर्गत संचालित किया जाएगा। साथ ही नए ट्रेड भी प्रारम्भ कराए जाएंगे। आत्मानंद स्कूलों में क्वालीफाइड और प्रशिक्षित टीचर्स के जरिए बच्चे बेहतर शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। यहां फर्नीचर एवं इको फ्रेंडली क्लासरूम, डिजिटल क्लास रूम एवं ई-लाइब्रेरी, आधुनिक केमेस्ट्री एवं फिजिक्स लेब के साथ ही स्पोर्ट्स गतिविधियों के लिए बेहतर माहौल बनाया गया है। वहीं वार्ड क्रं. 45 में स्थापित जिले की पहली हाईटेक डिजिटल लाइब्रेरी विद्यार्थियों के लिए वरदान साबित हो रही है। इस हाईटेक लाइब्रेरी में फ्री वाईफाई की सुविधा भी उपलब्ध है। इसके अलावा 10 से ज्यादा ई बुक्स, आधुनिक आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर, प्रतियोगी परीक्षाओं के टेस्ट पेपर और पत्र-पत्रिकाएं उपलब्ध है। इस डिजिटल लाइब्रेरी का निर्माण 48 लाख रूपए की लागत से किया गया है।

गारमेट फैक्ट्री बनेगा रोजगार का केन्द्र

विधायक निर्वाचित होने के बाद देवेन्द्र यादव ने कुछ अलग सोच के साथ काम करना प्रारम्भ किया और धीरे-धीरे उनकी सोच और कार्यों को जनता की वहुआर सराहना भी मिलने लगी। उनकी लीक से हटकर सोच की ऐसी ही एक बानगी निर्माणधीन गारमेट फैक्ट्री है। यह फैक्ट्री वार्ड क्रं. 42 गौतम नगर में आईटीआई मैदान के समीप तैयार हो रही है। इस गारमेट फैक्ट्री के जरिए करीब 1,000 महिलाओं के लिए रोजगार के अवसर खुलने जा रहे हैं। इससे महिला स्वरोजगार के जरिए सशक्त और स्वावलम्बी बन सकेंगी। इन गारमेट फैक्ट्री में कटिंग, सिलाई, पैकेजिंग के लिए अलग-अलग डिपार्टमेंट होंगे। नारी-शक्ति के प्रति यह विधायक देवेन्द्र यादव का बहुत बड़ा सम्मान और सलाम होगा।



सिविक सेंटर बनेगा हाई टेक एंटरटेनमेंट हब

अपनी स्थापना के बाद देखरेख और मरम्मत के अभाव में खस्ताहाल हो चुका सिविक सेंटर स्थित अर्जुन रथ अथ नए रंग-रूप और साज-सजा के साथ पूरी भव्यता से चला रहा है। विधायक देवेन्द्र यादव की पहल पर 1 करोड़ से अधिक की लागत से अर्जुन रथ परिसर का सौंदर्यीकरण, बाउंड्री वाल, पाथ-वे, रथ का नवीनीकरण, लैंडस्केपिंग, लाइटिंग एवं ग्रील से जीर्णोद्धार कराया गया है। वर्तमान में इस स्थल का वैभव व चकाचौंध देखते ही बनती है। अर्जुन रथ का कायाकल्प फेस-1 के तहत किया गया है, जबकि फेस-2 के तहत सम्पूर्ण सिविक सेंटर क्षेत्र को हाईटेक एंटरटेनमेंट हब बनाने की योजना है, जिस पर काम चल रहा है। दरअसल, देखरेख के अभाव में यहां पार्क की हरियाली पूरी तरह उजड़ चुकी थी। सुदृता खत्म हो गई, लेकिन अब एक बार फिर इस पार्क को नया स्वरूप देने की तैयारियां हैं। इस पार्क को पूरी तरह से रेनोवेट करने के बाद यहां कलाकारों के लिए रंगमंच व नाटक आदि आयोजनों के लिए ओपन मंच बनाया जाएगा। ट्रैफिक पार्क में मिनी ट्रेन चलाई जाएगी। लाइट एंड साउंड शो, हवाई झुला, एडवेंचर गैम, फूड कोर्ट, एडवेंचर पार्क और एंजीविशन सेंटर भी यहां नए सिरे से तैयार कराए जाएंगे। अर्जुन रथ पार्क की तर्ज पर नेहरू आर्ट गैलरी व ट्रेफिक पार्क का भी जीर्णोद्धार होगा।



बीपीओ कॉल सेंटर

विधायक यादव की बेहतरीन सोच का ही नतीजा रहा कि आईटी हब की दिशा में एक बड़ा निर्णय लिया गया। यह निर्णय था बीपीओ कॉल सेंटर का, जहां ज्यादा से ज्यादा स्थानीय लोगों को रोजगार उपलब्ध हो सके। इस जॉब फेयर बनाम रोजगार मेला के जरिए अब तक सैकड़ों युवा लाभान्वित हो चुके हैं। वहीं इससे भिलाई जैसे एजुकेशन हब से प्रतिभा पलायन जैसी समस्या भी खत्म होगी। दरअसल, स्थानीय स्तर पर लम्बे समय से बीपीओ कॉल सेंटर की जरूरत को महसूस किया जा रहा था। विधायक देवेन्द्र यादव ने युवाओं की पीड़ा को समझा और उसका निदान भी किया।

खेलों के लिए बनाया बेहतर माहौल

खेल शारीरिक विकास में अहम योगदान देते हैं। किसी भी क्षेत्र के विकास का आंकन इस आधार पर भी होता है कि वहां बच्चों और युवाओं के लिए खेलों के लिए हालात कैसे हैं। इसीलिए विधायक देवेन्द्र यादव के खेलाडी तैयार हो रहे हैं। इस इनडोर स्टेडियम में बुडन फ्लोरिंग युक्त 2 बैडमिंटन कोर्ट, 3 टेबल टेनिस कोर्ट, कैरम बोर्ड रूम व स्ववाश रूम बनाए गए हैं। इसके अलावा एक शतरंज हाल भी है। वहीं वीर शिवाजी नगर में जिले का पहला राष्ट्रीय स्तर का मिनी ओलंपिक स्वीमिंग पुल तैयार कराया जा रहा है। इसके बनने से स्विमर्स को बड़ी राहत मिलेगी। इसके अलावा वार्ड 56 सेक्टर-2 पश्चिम में स्व. राजेश पटेल ग्राउंड में फुटबाल खिलाड़ियों के लिए मैदान तैयार कराया गया है। वार्ड 69, सेक्टर-9 में भी नेचरल ग्रासयुक्त फुटबाल मैदान में तैयार कराया गया है। जिले का यह पहला एस्ट्रोटेर्फयुक्त फुटबाल ग्राउंड है।



विधायक देवेन्द्र स्वयं खेलों के प्रति गम्भीर रुचि रखते हैं। इसीलिए उनके सद्प्रयासों से वार्ड क्रं. 70 शहीद कोशल यादव स्मारक के पास राष्ट्रीय स्तर का क्रिकेट स्टेडियम बनाया गया है। इसी तरह वार्ड 49 सुभाष मार्केट स्थित श्रीराम चौक में, वार्ड क्रं. 51 स्थित पं. वीनदयाल खेल परिसर और वार्ड क्रं. 54 सेक्टर-1 में सर्व सुविधायुक्त क्रिकेट स्टेडियम बनाए गए हैं। पूरे भिलाई विधानसभा क्षेत्र में कुल 27 एस्ट्रोटेर्फ एलईडीयुक्त बैडमिंटन कोर्ट स्थापित किए गए हैं। ये बैडमिंटन कोर्ट वार्ड 42 गौतम नगर खुसीपार, वार्ड 44 लक्ष्मीनारायण स्कूल परिसर में, वार्ड 48 खुसीपार बाल मंदिर ग्राउंड के पास, वार्ड 55 सेक्टर-2 पूर्व के साथ ही वार्ड 56 सेक्टर-2 पश्चिम, वार्ड 57 सेक्टर-4 पूर्व, वार्ड 58 सेक्टर-4 पश्चिम व वार्ड 59 सेक्टर-5 पूर्व में बनाए गए हैं। इनके अलावा वार्ड क्रं. 60

सेक्टर-5 पश्चिम, वार्ड 61 सेक्टर-6 पूर्व, वार्ड 62 सेक्टर-6 मध्य, वार्ड 63 सेक्टर-6 पश्चिम, वार्ड 64 सिविक सेंटर, सेक्टर-10 में भी बैडमिंटन कोर्ट तैयार कराए गए हैं। वहीं, वार्ड 65 सेक्टर-10, वार्ड 66 सेक्टर-7 पूर्व, वार्ड 67 सेक्टर-7 पश्चिम, वार्ड 68 सेक्टर-8 में सड़क 10 व 12 में, वार्ड 69 सेक्टर-9 हास्पिटल सेक्टर और वार्ड 70 हुडको में बैडमिंटन कोर्ट का निर्माण कराया गया है। सेक्टर-10 में प्रदेश का पहला स्केटिंग ग्राउंड भी बनाने की तैयारी है। यह ग्राउंड वार्ड 65 में सड़क 4 व 5 के बीच बनाया जाना है।

सैकड़ों परिवारों को मिला जमीन का मालिकाना हक

वह 18 नवम्बर 2021 का दिन था, जो छावनीवासियों के लिए सीगातों का पिटारा लेकर या। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने विधायक देवेन्द्र यादव की मांग पर मंगल बाजार छावनी के संव से पिछले 40-50 वर्षों से आबादी और नजूल विभाग की जमीन पर रह रहे परिवारों को राजीव गांधी आश्रय योजना के तहत जमीन का मालिकाना हक देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुरूप सैकड़ों परिवारों को राजीव गांधी आश्रय योजना के तहत पट्टा प्रदान किया गया है। वहीं हजारों लोगों को सर्वे रिपोर्ट के अनुसार मालिकाना हक दिया जाएगा। छावनी पुरानी बस्ती, मंगल बाजार, राधाकृष्ण मंदिर, सतनामी पारा, आदिवासी नगर, शंकर पारा, श्रमिक नगर, डाइवर मोहल्ला, बिजली नगर और राजीव नगर के हजारों परिवारों को इसके लिए चिन्हित किया गया है। विधायक देवेन्द्र यादव की दूरगामी सोच का परिणाम एक बार फिर देखने को मिला। भिलाई नगर निगम का महापौर रहते उन्होंने आईएचएसडीपी योजनांतर्गत मॉडल टाउन, परियापारा और घासीदास नगर के व्यवस्थापन पर रोक लगाने का निर्णय लिया था। उनका कहना था कि ये लोग जहां रह रहे हैं, उन्हें वहीं रहने दिया जाए। तत्कालीन महापौर व वर्तमान विधायक देवेन्द्र यादव का यह निर्णय आज लोगों के लिए लाभदायक साबित हुआ है। पीएम आवास योजना के तहत अधिकतर लोगों ने पक्के मकान बना लिए हैं।



...जब हमने उठाया लाखों भिलाइयंस की जीवन रक्षा का बीड़ा

दैनिक जरूरतों को देखते हुए उन तक हरसंभव मदद पहुंचाने जैसे काम जमीन पर उतरकर किए गए। लेकिन संकट का विकराल रूप तब देखने को मिला जब कोरोना की दूसरी लहर ने दस्तक दी। इस दूसरी लहर ने दुनिया के साथ ही पूरे भिलाई को हिलाकर रख दिया। ऑक्सीजन, दवाइयां और अस्पतालों में बेड की कमी ने हालातों को और विकट बना दिया। छत्तीसगढ़ में सबसे खराब स्थिति भिलाई की रही और कोरोना के चलते समस्या लगातार बेकाबू होती चली गई। ऐसे ही वक्त में नागरिकों के प्रति अपनी दोहरी जिम्मेदारी को स्वीकारते हुए विधायक देवेन्द्र यादव ने अस्पतालों में बिस्तर की व्यवस्था करवाई। सेक्टर-9 अस्पताल, जिला अस्पताल से लेकर जुनवानी स्थित निजी अस्पताल में 120 बिस्तर, कंचादुर मेडिकल कालेज में 845 बिस्तर का डेडिकेटेड कोविड केयर सेंटर तैयार कराया गया। छोटे बच्चों के इलाज के लिए अलग से व्यवस्था पर जोर देते हुए भिलाई टाउनशिप क्षेत्र में 100 बिस्तर का पीआईसीयू डेडिकेटेड कोविड अस्पताल तैयार कराया गया। इसी तरह सुपेला अस्पताल को नॉन कोविड केयर जोन के रूप में तैयार करते हुए प्री और

पोस्ट मरीजों के इलाज की व्यवस्था कराई गई। उस दौरान ऑक्सीजन की कमी से जूझ रहे पूरे भारत में भिलाई इस्पात संयंत्र एक संजीवनी के रूप में सामने आया। लोगों की जान बचाने के लिए ऑक्सीजन तैयार करने और देशभर में ऑक्सीजन सप्लाई को बीएसपी ग्रबंधन ने अपनी प्राथमिकता बना लिया। ऐसे कठिन वक्त में विभिन्न समाजसेवी संस्थाओं को साथ लेते हुए विधायक यादव ने विभिन्न अस्पतालों, कोविड केयर सेंटर में ऑक्सीजन मशीन दान करवाई। राज्य शासन से सम्पर्क कर उनकी मदद से जिला अस्पताल दुर्ग, कंचादुर स्थित सीएम मेडिकल कालेज व सुपेला अस्पताल में ऑक्सीजन प्लांट की स्थापना की गई। कोरोना काल की इस दूसरी लहर में मरीजों को प्लाज्मा थेरेपी के माध्यम से उपचार किए जाने हेतु भिलाई के युवाओं को भी प्रोत्साहित किया। नतीजा यह निकला कि प्लाज्मा एक्सप्रेस के माध्यम से भिलाई में प्रदेश की सबसे बड़ी प्लाज्मा घेन बनाने में कामयाबी मिली। इस तरह के तमाम प्रयासों से भिलाई के हजारों नागरिकों की प्राण रक्षा के महा-अभियान में सफलता मिली।

मदर्स मार्केट से आत्मनिर्भर बनती महिलाएं

यह शहर का पहला मार्केट है, जिसका संचालन पूरी तरह से महिलाएं कर रही हैं। काम्पलेक्स के रिनोवेशन का काम जोन-4 खुसीपार के अधिकारियों की देखरेख में हुआ। महिलाओं के लिए मार्केट का कांसेप्ट विधायक देवेन्द्र यादव की अभिनव सोच का ही नतीजा है। 31 मई 2019 को ही प्रोजेक्ट सेल की बैठक में इस पर चर्चा हुई थी। वहां से मंजूरी मिलने के बाद मदर्स मार्केट के प्रस्ताव पर काम शुरू हुआ। मदर्स मार्केट से 150 से ज्यादा महिला स्वसहायता समूह की हजारों महिलाओं को सीधा लाभ हो रहा है। उनके पास अपना काम है। महिलाएं यहां लिट्टी-चोखा व कलेवा का भी काम कर रही हैं। इस मार्केट की भूतल की 25 दुकानों में घरेलू सामान की बिक्री हो रही है। वहीं 2 दुकानों में कैटीन का संचालन किया जा रहा है। प्रथम तल में बेहतरीन सुपर मार्केट बनाया गया है। प्रत्येक तल में पेयजल, शौचालय व पीडिंग जोन है। सिटी लेवल के 2 फेडरेशन इसका मैनेजमेंट देखते हैं।

